बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 02 जुलाई 2026 | दिन - गुरुवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 155 | मूल्य - 5 रुपये

यूजीसी नेट : समाजशास्त्र के प्रश्नपत्र में व्याकरण और वर्तनी संबंधी गलतियां होने का दावा

नई दिल्ली, (भाषा)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) के अभ्यर्थियों ने समाजशास्त्र के प्रश्न-पत्र में व्याकरण और वर्तनी संबंधी गलतियां होने का दावा किया है।

तीस जून को यूजीसी नेट के समाजशास्त्र की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि प्रश्न-पत्र में व्याकरण और वर्तनी की कई गलतियां थीं और सवाल भी ठीक से नहीं लिखे गए थे। इन दावों पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अंतरा चक्रवर्ती नाम की एक अभ्यर्थी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि संबंधित प्रश्न-पत्र ने ''शैक्षणिक धोखाधड़ी और जवाबदेही की सारी हदें पार कर दीं''। उन्होंने कहा, ''पेपर में एआई से बने सवाल, ऐसे विचारकों और किताबों का जिक्र होना जिनका पाठ्यक्रम से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं था। इन अनियमितताओं की तो बात ही छोड़िए।

पेपर के 50 प्रतिशत हिस्से में वर्तनी की बहुत ज्यादा गलतियां थीं और वाक्य रचना व्याकरण के लिहाज से बेहद खराब थी।'' चक्रवर्ती ने कहा कि सवालों का हिंदी अनुवाद ऐसा लग रहा था, ''मानो किसी पांच साल के बच्चे ने किया हो''।

सोशल मीडिया पर एक अन्य यूजर ने भी प्रश्नपत्र की त्रुटियों पर निशाना साधा और कहा कि इसमें ''वर्तनी की गलतियां और मनमाने सवाल थे और समाजशास्त्र के कई बुनियादी विचारकों को छोड़कर ऐसी सामग्री शामिल की गई थी जो तय पाठ्यक्रम से बाहर का लग रहा था''।

भारी बारिश से हिमाचल, कर्नाटक में 07 लोगों की मौत, जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली (भाषा)।

मानसून की बारिश ने बुधवार को देश के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि भूस्खलन, जलभराव और परिवहन सेवाओं में व्यवधान के कारण कई क्षेत्रों में जनजीवन

ठप हो गया। उत्तर प्रदेश में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और चार बच्चों समेत आठ अन्य लोग झुलस गए। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में बारिश के बीच नवी मुंबई में नेरुल के एलपी ब्रिज के पास जलभराव वाली सड़क पर बिजली के तार की चपेट में आने से दो लड़कियों को करंट लग गया। हालांकि, वे बाल-बाल बच गईं और एक बड़ा हादसा टल गया। अरुणाचल प्रदेश अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति से जूझ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में दक्षिण बंगाल में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है।

वहीं, इस बारिश ने कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस झेल रहे पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के लोगों को राहत पहुंचाई। दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तराखंड के सभी हिस्सों में पहुंच गया है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से जुड़ी घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। राज्य के शिमला, मनाली और धर्मशाला समेत कई क्षेत्रों में भारी वर्षा हुई, जिससे कई सड़कें बंद हो गईं, नदियों का जलस्तर बढ़ गया और बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। शिमला स्थित मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार को हिमाचल पहुंचा दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार तक पूरे राज्य में छा गया। विभाग ने दो से छह जुलाई के बीच (चार जुलाई को छोड़कर) कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

गर्मी के कारण बंद हुए सरकारी और निजी स्कूल फिर से खुल गए, लेकिन भारी बारिश के कारण स्कूलों में उपस्थिति कम रही। अधिकारियों के अनुसार मंडी में 28 मार्गों को बंद कर दिया गया, कुल्लू में 12 और लाहौल एवं स्पीति तथा ऊना जिलों में दो-दो मार्गों को बंद किया गया। सोलन जिले की एक महिला की उस समय मौत हो गई, जब औट के पास चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार से बाहर निकलते समय वह गिरते चट्टान की चपेट में आ गई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, मानसून की पहली बारिश के दिन कांगड़ा जिले में तीन लोगों की मौत दर्ज की गई। इनमें एक व्यक्ति की मौत करंट लगने से और एक अन्य की ऊंचाई से गिरने के कारण हुई। कर्नाटक के मंगलुरु में तड़के हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन से एक मकान ढह गया। इस हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों, जिनमें दो बच्चियां भी शामिल हैं, की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। कर्नाटक के मंगलुरु में तड़के हुई भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से एक मकान ढह गया। इस हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों, जिनमें दो बच्चियां भी शामिल थीं, की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। महाराष्ट्र में भारी बारिश ने ठाणे, पालघर जिलों और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में व्यापक असर डाला। कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया और नालों में उफान से विभिन्न क्षेत्रों में लोग फंस गए। अधिकारियों ने पालघर जिले के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और अगले 24 घंटों में अत्यधिक भारी वर्षा का अनुमान जताया है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, ठाणे जिले में भी अगले तीन दिनों तक बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। ठाणे जिले के उल्हासनगर क्षेत्र में बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया। इसके चलते जीजामाता क्षेत्र में रहने वाली 70-वर्षीय एक महिला कई घंटों तक अपने घर में फंसी रही, जिसे बाद में दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। आईएमडी ने मुंबई के लिए भी 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। अगले कुछ दिनों के दौरान शहर में भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। बारिश के कारण तीन उड़ानों का रास्ता बदलना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि वे सभी मुंबई लौट आई हैं। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में स्थित मचैल माता और मिंधल माता मंदिर की तीर्थयात्रा भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से स्थगित कर दी गई। आईएमडी ने कहा कि तीन जुलाई को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने से दक्षिण बंगाल में भारी वर्षा हो सकती है। वहीं, पिछले कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जूझ रहे उप-हिमालयी जिलों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने कहा कि कि हवा की अनुकूल स्थिति और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आने के कारण के कारण दक्षिण बंगाल के कुछ ज़िलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। चार से सात जुलाई के बीच दक्षिण बंगाल के कई ज़िलों में भारी बारिश हो सकती है। बाढ़ से प्रभावित अरुणाचल प्रदेश में, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और किरेन रीजीजू ने राज्य को राहत, पुनर्वास और बाढ़ से निपटने के प्रयासों में केंद्र की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

हैरी केन के दो गोल से कांगो को 2 . 1 से हराकर इंग्लैंड अंतिम 16 में..

अटलांटा, (एपी)।

दूसरे हाफ में हैरी केन के दो गोल की मदद से इंग्लैंड ने कांगो को 2.1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। इंग्लैंड के लिये सर्वाधिक गोल करने वाले केन ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल दागा । इससे पहले ब्रायन सिपेंगा ने कांगो को हाफ्टाइम तक एक गोल की बढत दिलाकर सभी को चौंका दिया था। ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़े उलटफेर में से एक की ओर बढ रहा है केन ने 75वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया । इससे पहले विश्व कप में पहला गोल गंवाने के बाद इंग्लैंड सिर्फ एक बार जीता है और वह 1966 फाइनल में पश्चिमी जर्मनी के खिलाफ वेम्बले स्टेडियम पर हुआ था । अब 1966 चैम्पियन टीम मेक्सिको सिटी में रविवार को सह मेजबान मेक्सिको से खेलेगी। केन के इस विश्व कप में पांच गोल हो गए हैं। अब तक इंग्लैंड के लिये वह 84 गोल कर चुके हैं ।

कांग्रेस का चैनलों पर कथित जमीन घोटाले को प्रसारित न करने का आरोप, तीन दिन के बहिष्कार की घोषणा...

भोपाल, (भाषा)।

कांग्रेस ने बुधवार को टेलीविजन चैनलों पर मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं उनके परिवार से जुड़े कथित भूमि घोटाला जैसे 'गंभीर विषय' को प्रसारित नहीं करने और इस पर सार्थक बहस आयोजित नहीं करने का आरोप लगाया तथा घोषणा की कि वह इसके विरोध में तीन दिनों तक उनका बहिष्कार करेगी। मध्यप्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी ने एक आधिकारिक बयान में विरोध के इस तरीके को 'मौन सत्याग्रह' का नाम दिया है।

पार्टी ने कहा, ÷इस दौरान सिर्फ अधिकृत पत्रकार वार्ताओं को छोड़कर, मध्यप्रदेश कांग्रेस का कोई भी अधिकृत नेता, प्रवक्ता अथवा प्रतिनिधि किसी भी टीवी बहस में भाग नहीं लेगा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को कोई व्यक्तिगत, आधिकारिक वक्तव्य नहीं देगा तथा किसी भी टेलीविजन बहस में शामिल नहीं होगा।

बयान में दावा किया गया कि मुख्यमंत्री के खिलाफ धार्मिक नगरी उज्जैन में भूमि घोटाले के आरोप को लेकर प्रदेशभर में व्यापक जन चर्चा है और बड़ी संख्या में नागरिकों ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी असहमति दर्ज कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने निर्णय लिया है कि आगामी तीन दिनों तक 'मौन सत्याग्रह' किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने पिछले दिनों अंग्रेजी अखबार 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री बनने के बाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों ने कई भूखंड खरीदे। पार्टी ने उज्जैन के इस कथित भूमि घोटाले को ''महाकाल की जमीन की लूट'' करार दिया था और मुख्यमंत्री यादव के इस्तीफे और आरोपों की न्यायिक जांच की मांग की थी। कांग्रेस ने कहा था कि मुख्यमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सत्ता संभालने के बाद उनके परिवार की भूमि कथित तौर पर 100 एकड़ से बढ़कर 335 एकड़ कैसे हो गई।

खबर में दावा किया गया है कि पिछले दो वर्ष के दौरान मुख्यमंत्री यादव के परिवार और उनकी रियल एस्टेट कंपनियों ने उज्जैन में कम से कम 137 भूखंड खरीदे, जिनका कुल क्षेत्रफल 168 एकड़ है। राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन आरोपों को निराधार बताया और कहा कि मुख्यमंत्री यादव प्रदेश के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं और उनकी लोकप्रियता से घबराकर कांग्रेस ऐसे आरोप लगा रही है। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कांग्रेस पर पिछड़े वर्ग के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि जब-जब मध्यप्रदेश में पिछड़े वर्ग से मुख्यमंत्री बने हैं, तब-तब कांग्रेस ने उन्हें निशाना बनाने का प्रयास किया है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष को बचाया जा रहा है : अविमुक्तेश्वरानंद

बरेली/पीलीभीत (भाषा)।

ज्योतिर्मठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बुधवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष को बचाने की कोशिश की जा रही है। अपनी 81 दिन की 'गोरक्षा एवं धर्मयुद्ध यात्रा' के तहत बरेली और पीलीभीत पहुंचे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने

संवाददाताओं से बातचीत में अयोध्या के राम मंदिर में दिए गए दान में कथित हेराफेरी को 'साजिश' बताया और कहा, ÷राम मंदिर दान चोरी मामले में कोषाध्यक्ष को बचाया जा रहा है। हर कोई उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के गठन पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि जिन लोगों ने राम मंदिर के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी थी, उन्हें किनारे कर दिया गया। अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया, मंदिर निर्माण पर पहला अधिकार वरिष्ठ धर्म गुरुओं का था। सरकार ने ट्रस्ट से प्रमुख आचार्यों को हटा दिया। केंद्र सरकार ने अपने खजाने से एक रुपया भी नहीं दिया। अविमुक्तेश्वरानंद ने अपनी यात्रा के दौरान अपने संबोधन में गाय को जानवरों की श्रेणी से हटाकर 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने गौ-रक्षा को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया और लोगों से आग्रह किया कि वे केवल उन्हीं राजनीतिक दलों का समर्थन करें जो गाय को ऐसा दर्जा देने का वादा करते हैं।

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

बालाघाट में दुखद हादसा, बारिश के कारण जर्जर मकान की दीवार गिरी, बेसमेंट में काम कर रहे तीन मजदूर मलबे में दबे..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला मुख्यालय में बुधवार 01 जुलाई को सुबह से रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच शहर में बड़ा हादसा हो गया। पुरानी श्रीराम मंदिर गली में निर्माणाधीन भवन के पास स्थित एक जर्जर मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय बेसमेंट में

निर्माण कार्य कर रहे तीन मजदूर मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों, पुलिस और अन्य मजदूरों की मदद से तीनों को सुरक्षित बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, पुरानी श्रीराम मंदिर गली में एक भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माणाधीन भवन से सटा एक पुराना और जर्जर मकान है। इस मकान में बेसमेंट की दीवार खड़ी करने का काम चल रहा था। इसी दौरान पास के ही एक मकान की दीवार अचानक भरभराकर ढह गई। इसके मलबे में नवेगांव नैतरा के रहने वाले 23 साल के निलेश नगपुरे, 35 साल के चैतराम सौलखे और हट्टा के रहने वाले 48 साल के मानिक मचाड़े दब गए। घटना के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई। स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए राहत कार्य शुरू किया और मलबा हटाकर मजदूरों को बाहर निकालने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर नगर पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायलों में निलेश नगपुरे, चैतराम सौलखे (दोनों नैतरा निवासी) तथा मनिक तिलपेवाड़ा (हट्टा निवासी) में मानिक को गंभीर चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जबकि अन्य दो मजदूरों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। राहत कार्य के दौरान एंबुलेंस के देर से पहुंचने पर स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक घायल मजदूर को पुलिस के जवान ने अपनी पीठ पर लादकर और स्थानीय लोगों ने अपने सहारे से सीढ़ियों के जरिए बाहर निकालकर निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया। लगातार हो रही बारिश के बीच हुए इस हादसे ने निर्माण स्थलों के आसपास मौजूद जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

लालबर्रा के तीन कृषि केंद्रों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई..

रिकॉर्ड में अनियमितताएं, बिना लाइसेंस बीज बिक्री और नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

जगप्रेरणा बालाघाट।

किसानों के हितों की सुरक्षा तथा कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को लालबर्रा क्षेत्र के तीन कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। एसडीएम वारासिवनी श्री कार्तिकेय जायसवाल के नेतृत्व में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने कृषि केंद्रों में बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों के भंडारण और विक्रय व्यवस्था की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान मेसर्स केशव बीज भंडार, मानपुर, मेसर्स महामाया कृषि केंद्र, लालबर्रा तथा मेसर्स बिसेन कृषि केंद्र, लालबर्रा में उपलब्ध बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों के स्टॉक, लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर, बिल बुक, बिल फ़ाइल, डिलीवरी चालान सहित अन्य आवश्यक अभिलेखों का परीक्षण किया गया। जांच में मेसर्स केशव बीज भंडार, मानपुर में स्टॉक पंजी अधूरी पाई गई तथा बिना लाइसेंस सब्जी बीजों का क्रय-विक्रय किया जाना सामने आया। वहीं मेसर्स महामाया कृषि केंद्र, लालबर्रा में अतिरिक्त विक्रेता प्रमाण-पत्र का पंजीयन कराए बिना व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। इसके अलावा स्टॉक पंजी एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का संधारण भी नहीं किया गया था। मेसर्स बिसेन कृषि केंद्र, लालबर्रा में विक्रय स्थल पर बीजों के स्टॉक एवं विक्रय दर का प्रदर्शन नहीं पाया गया। प्रशासन ने बताया कि तीनों प्रतिष्ठानों में पाई गई अनियमितताएं सीड एक्ट, 1966 एवं सीड (कंट्रोल) ऑर्डर, 1983 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन हैं। इसके तहत संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण दल में एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार श्री कन्हैयालाल टेकाम, बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक निरीक्षक सुश्री प्रीति पंद्राम, कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती प्रतिभा रंगारे, श्री उत्तम रंगारे तथा संबंधित पटवारी शामिल रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। कृषि आदानों के भंडारण एवं विक्रय पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में भी इस तरह के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे, ताकि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उपलब्ध कराए जा सकें।

बालाघाट जिले के प्रसिद्ध एवं सेवाभावी चिकित्सक डॉ. बी.एम. शरणागत राष्ट्रीय सम्मान से होंगे सम्मानित

जगप्रेरणा बालाघाट।

चिकित्सा, सामाजिक, धार्मिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बालाघाट के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एम. शरणागत (एम.डी. मेडिसिन) को चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में आईएमए दिल्ली (मुख्यालय) द्वारा राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान समारोह 18 जुलाई को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफइंडिया, नई दिल्ली में आयोजित होगा। डॉ. शरणागत को मरीजों के प्रति समर्पित एवं उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता, धार्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान तथा आईएमए के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। डॉ. शरणागत की इस उपलब्धि पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं चिकित्सकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे पूरे बालाघाट जिले के लिए गौरव का विषय बताया।

शुभकामनाएं देने वालों में डॉ. अनिल नायक (राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईएमए), डॉ. दिलीप भानुशाली (हैदराबाद), डॉ. सर्वरी दत्ता (कोलकाता), डॉ. अरविंद जैन, डॉ. सुब्बाराव, डॉ. कोठारी, श्रीमती भारती पारधी (सांसद), श्री गौरीशंकर बिसेन (पूर्व कैबिनेट मंत्री), श्री विक्की पटेल (विधायक) तथा श्री गौरव पारधी (विधायक) शामिल हैं। यह सम्मान डॉ. बी.एम. शरणागत की वर्षों की निष्ठा, सेवा भावना और समर्पण का परिणाम है। साथ ही यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बालाघाट शहर एवं जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

किसान कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष बने धर्मेंद्र बोपचे

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस ने संगठन का विस्तार करते हुए जिले के किरनापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम रामगढ़ी निवासी धर्मेंद्र बोपचे को किसान कांग्रेस, बालाघाट का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार धर्मेंद्र बोपचे को कांग्रेस पार्टी के प्रति उनकी सक्रियता, निष्ठा एवं पिछले वर्षों से संगठन के लिए किए गए कार्यों को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, जिला कांग्रेस बालाघाट के अध्यक्ष संजय उइके तथा किसान कांग्रेस बालाघाट के जिला अध्यक्ष भूरु पटेल की अनुशंसा पर की गई है। नियुक्ति पत्र में अपेक्षा व्यक्त की गई है कि धर्मेंद्र बोपचे कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों के अनुरूप सत्यनिष्ठा और समर्पण के साथ जनहित में कार्य करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। धर्मेंद्र बोपचे की नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा शहडोल के जिला प्रभारी बनने पर अजय सुखदेवे का नगर में स्वागत सत्कार

जगप्रेरणा बालाघाट। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के शहडोल जिला प्रभारी नियुक्त होने के बाद अजय सुखदेवे का मित्रमण्डल द्वारा भव्य स्वागत किया गया,दीनदयाल पुरम में जिले के प्रतिष्ठित उद्योगपति संजीव अग्रवाल के नेतृत्व में अविनाश लिल्हारे लोधी,संदेश नगपुरे,दीपक लिल्हारे,जितेंद्र गौतम एवं नरेश नारनौरे सहित अन्य सामाजिक बंधुओं ने गमछा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अजय सुखदेवे का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद नगर के वार्ड क्रमांक-7 में चंद्रकांत जायसवाल के नेतृत्व में वार्डवासियों ने गमछा एवं गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। भूपेंद्र सुहागपुरे एवं सभापति भुनेश्वर रजक ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

बालाघाट जिला चिकित्सालय मे डॉक्टर्स डे पर रक्तदान, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन..

सेवानिवृत्त चिकित्सकों का सम्मान, नवनियुक्त डॉक्टरों का हुआ स्वागत

जगप्रेरणा बालाघाट।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार, 1 जुलाई 2026 को शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय एवं नर्सिंग छात्रावास परिसर में शासकीय चिकित्सकों द्वारा विविध जनहित एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर तथा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर समाज को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और रक्तदान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। चिकित्सकों ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि वे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त चिकित्सकों का सम्मान किया गया, जबकि नवनियुक्त चिकित्सकों का स्वागत कर उन्हें संवेदनशील एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नई पीढ़ी के डॉक्टरों को सेवा भावना और समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलाप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, आईएमए के राज्य अध्यक्ष डॉ. बी. एम. शरणागत, डॉ. ज़ेड. भरमल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3 डॉ. ऋत्विक पटेल, डॉ. अंकित राणा, जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रियव्रत सोनकर, आरएमओ डॉ. सुषमा गोयल, एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. गौरव करवाते सहित जिले के अनेक शासकीय चिकित्सक उपस्थित रहे। इस दौरान शासकीय चिकित्सक संगठन के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। संगठन का उद्देश्य शासकीय चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, उनकी व्यावसायिक एवं सामाजिक सहभागिता को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए सामूहिक प्रयास करना है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सौगातों का पिटारा लेकर सिवनी पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बोले धान की फसल पर भी देंगे भावांतर योजना का लाभ..

किसानों की जताई चिंता तो वहीं बोले प्रदेश में इसी माह लाएंगे यूसीसी का प्रस्ताव..

जनजातीय बंधुओं को रखेंगे यूसीसी के दायरे से पृथक..

3 हजार 941 श्रीअन्न उत्पादक किसानों को अंतरित की 2.83 करोड़ की बोनस राशि..

सिवनी जिले को दी 494.16 करोड़ के 629 विकास कार्यों की बड़ी सौगात..

मुख्यमंत्री संबल योजना में 16 हजार से अधिक श्रमिकों को अंतरित किये 365 करोड़ रुपये..

बालाघाट से सिवनी तक बनेगी फोरलेन रोड..

सिवनी में मनाया गया राज्य स्तरीय धान महोत्सव..

मुख्यमंत्री ने कोदो-कुटकी का बोनस वितरण कर विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

जगप्रेरणा सिवनी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे हलधर किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं, इस धरा के वास्तविक शुभंकर है। वे अपने अथक परिश्रम से पूरे समाज का उदर-पोषण करते हैं। किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार का संकल्प हैं, क्योंकि किसान समृद्ध होगा, तभी तो हमारा देश और प्रदेश समृद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की धरती धान उत्पादन के लिए जग प्रसिद्ध है। शेर की दहाड़ और सतपुड़ा के पहाड़ और अब यहां की छत्रिय धान इस क्षेत्र की बड़ी पहचान है। छत्रिय धान को अब भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिल गया है। यह हमारी देशज और पारंपरिक कृषि का वैश्विक सम्मान है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब धान की फसल पर भी भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों को एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच के अंतर की राशि का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना (मनरेगा का नया स्वरूप) के तहत प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के काम लगातार चलायें जाएंगे। किसानों और रोजगार के जरूरतमंदों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सिवनी जिला मुख्यालय में आयोजित राज्यस्तरीय धान महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 3 हजार 941 किसानों को 1 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से कोदो-कुटकी के बोनस के रूप में 2 करोड़ 82 लाख 99 हजार 300 रुपए की प्रोत्साहन राशि किसानों के खातों में अंतरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार श्रीअन्न उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ-साथ बोनस भी दे रही है। हमने प्रदेश में पहली बार शासकीय स्तर पर कोदो कुटकी खरीदने के लिए अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजना के अंतर्गत प्रदेश के 16 हजार 754 से अधिक श्रमिक परिवारों को 365 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। साथ ही 494 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से 629 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर सिवनी जिले को बड़ी सौगात दी। इसमें 349.33 करोड़ रुपये की लागत के 586 विकास कार्यों का लोकार्पण और 144.83 करोड़ रुपए की लागत के 43 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट से सिवनी तक फोरलेन रोड निर्माण कार्य की घोषणा करते हुए कहा कि जिले के छपारा ब्लॉक के ग्राम चमारी में शासकीय महाविद्यालय खोला जाएगा। ग्राम सागर से खटकर तक पक्की रोड का निर्माण किया जाएगा। ग्राम छिड़िया पलारी में नगर वन स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सिवनी जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक मिनी स्टेडियम का निर्माण कराने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 1 से 15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है। सभी अपने बच्चों को स्कूलों में प्रवेश कराएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक देश, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' के ध्येय को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इसी माह प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बंधुओं को यूसीसी के दायरे से पृथक रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में 10 लाख से अधिक लोगों ने राज्य सरकार के यूसीसी प्रस्ताव का समर्थन किया है। हम तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले कोदो-कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का को गरीबों की फसल कहा जाता था। उसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू कर देश-दुनिया इसका मान बढ़ाया। श्रीअन्न में मौजूद तत्व सबसे जल्दी पचता है। राज्य सरकार ने पिछले साल से श्रीअन्न खरीदने की शुरुआत की है। इस वर्ष मानसून पर अलनीनो का प्रभाव नजर आ रहा है। अगर बारिश कम होती है तो किसानों को तैयार रहना चाहिए कि वे कोदो कुटकी सहित सभी फसलों को तैयार कर लें। प्रदेशभर में जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत लाखों काम हुए हैं। सभी प्रदेशवासी पानी की महत्ता को समझें। वी-बी-जी रामजी अधिनियम देश में लागू हो चुका है। इसके तहत प्रदेश के गांव-गांव में बहुतायत में अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की राशि भेज रही है। किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। राज्य में दीपावली के बाद भव्यता के साथ गोवर्धन जयंती मनाई जाएगी। मध्यप्रदेश में दूध-दही की नदियां बहती हैं। सरकार दूध उत्पादन और मछली उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। युवाओं को नए कॉलेज और प्रशिक्षण की सौगात मिल रही है। मध्यप्रदेश सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विपक्षी दल की सरकारों ने गरीब-जरूरतमंदों को कभी संबल योजना का लाभ नहीं दिया। संबल योजना में सरकार दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख और शारीरिक अपंगता आने पर 1 लाख रुपए की सहायता राशि दे रही है। श्रमिक परिवारों को आयुष्मान भारत योजना में 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा भी दी जा रही है।आयुष्मान कार्ड धारकों को गंभीर बीमारी होने पर जीवन रक्षा के लिए एयर ऐंबुलेंस की सुविधा दी जा रही है। राज्य सरकार हर वर्गों के गरीब, वंचित और आखिरी पंक्ति में बैठे लोगों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रहे सभी पात्र लोगों को आवास देने के लिए सर्वे कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने रानी दुर्गावती को सम्मान देते हुए अपनी पहली कैबिनेट जबलपुर में आयोजित की थी। इसी क्षेत्र में उनके नाम से रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना की शुरुआत भी की है। आज प्रदेश के 3941 किसानों को बोनस राशि दे दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोटो कुटकी के ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए भी काम जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि डिंडोरी की सीताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैगनी अरहर को भी जीआई टैग मिला है। किसान कल्याण वर्ष में हमारी सरकार अन्नदाता को अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दे रही है। प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी सभी वर्गों के लिए काम किए जा रहे हैं। प्रदेश में अनेक सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण हो रहा है। ये विद्यालय हमें गोपाल कृष्ण और सुदामा की मित्रता की गहराई का स्मरण कराते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क हादसे के घायलों को राहवीर योजना शुरू होने से त्वरित रूप से लाभ मिल रहा है। सहायता करने वालों को भी 25 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु परंपरा की महिमा को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कुलपति के लिए कुलगुरु संबोधन के उपयोग की शुरुआत की है। सिंहस्थ के भव्य आयोजन के लिए सभी तरह के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी धार्मिक स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। नगरीय निकायों में गीता भवन बनाए जा रहे हैं। चित्रकूट में भगवान श्रीराम का भव्य तीर्थ बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे किसानों के घर धन-धान्य से सदैव भरे रहें। यही हमारी सफलता है। जिले के किसानों से कहा कि अब हमें सिर्फएक ही पारंपरिक खेती के भरोसे नहीं बैठे रहना है। आप खेत में धान लगाइए, गेहूं उगाइए, लेकिन उसके साथ-साथ फसल विविधिकरण, पशुपालन और मछली पालन जैसे नए क्षेत्रों को भी अपनाइए। जब आप खेती के साथ-साथ इन कामों में हाथ आगे बढ़ाएंगे, तो आपकी जेब में हर महीने कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की मदद के लिए हमारी सरकार हर कदम पर साथ खड़ी है।

श्रीअन्न उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार के प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने मिलेट उत्पादक किसानों के हित में रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना को लागू करने का फैसला लिया है। वैल्यू चेन का निर्माण कर किसानों को मार्केट एक्सेस प्रदान किया जा रहा है। कोदो-कुटकी के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन की व्यवस्था विकसित की जा रही है। 'नर्मदा मिलेट्स' ब्रांड के माध्यम से मध्यप्रदेश के श्री अन्न को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 1 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश के 15 प्रमुख उत्पादक जिलों में लगभग 4 हजार किसानों से लगभग 3 हजार मीट्रिक टन कोदो-कुटकी का उपार्जन किया गया। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 40 हजार मीट्रिक टन कोदो-कुटकी उपार्जन का लक्ष्य रखा है। सरकार द्वारा डिंडौरी में 'मध्यप्रदेश राज्य श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र' की स्थापना की जा रही है।

बोले प्रहलाद सिंह पटेल..

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़कर अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री संबल योजना हमारी ग्रामीण आबादी के लिए एक वरदान की तरह है। इस योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश के 8.50 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। इन्हें 8 हजार 325 करोड़ रुपए से अधिक राशि वितरित की जा चुकी है। आज राशि वितरण के नौवें चरण में 1 लाख 46 हजार से अधिक लोगों को 365 करोड़ से अधिक लाभ दिया जा रहा है। संबल योजना असमय मृत्यु, दुर्घटना और अपंगता के समय जरूरतमंदों की मदद करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबल सहित सभी योजनाओं का बैकलॉग खत्म किया है। संबल योजना का 6 माह का बैकलॉग शेष है, इसे भी बहुत जल्द खत्म किया जाएगा।

बोले फग्गन सिंह कुलस्ते..

सासंद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के किसानों को अनेक सौगातें दी हैं। सिवनी जिले के पिछड़े किसानों के लिए स्पेशल पैकेज की व्यवस्था करने से यहां और भी समृद्धि आएगी।

बोले विधायक दिनेश राय..

सिवनी विधायक श्री दिनेश राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात देने के बाद आज मेडिकल हॉस्पिटल की सौगात भी दी है। राज्य में समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए शिद्दत से चिंता करने वाली सरकार है। प्रदेश में सभी तरह उद्योगों का जाल बिछने से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है। सिवनी जिले में नवीन कलेक्टर भवन का निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने जिले को विकास की नित नई सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया।

थीम आधारित विकास प्रदर्शनी रही विशेष आकर्षण..

कार्यक्रम का अन्य आकर्षण विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई थीम आधारित विकास प्रदर्शनी रही, जिसका मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अवलोकन किया। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास, महिला स्व-सहायता समूहों तथा अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शित नवाचारों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। प्रदर्शनी में धान बुवाई के आधुनिक कृषि यंत्र, प्राकृतिक खेती एवं प्राकृतिक बगीचे, कस्टम हायरिंग सेंटर, जीआई टैग एवं मिलेट्स उत्पाद, पीएमएफएमई उत्पाद, आम की विभिन्न किस्में, स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, बांस एवं माटी कला उत्पाद, लघु वनोपज, स्थानीय उद्यमियों के उत्पाद, पोषण आहार प्रदर्शनी, डिजिटल जमीन, कृषिका एप, किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आकर्षक ढंग से प्रदर्शित की गई।

इनकी रही गरिमामय उपस्थिति..

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डेहरिया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, विधायक श्री दिनेश राय, विधायक श्री कमल मर्सकोले, विधायक श्री रजनीश सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया, जनपद अध्यक्ष श्रीमती किरण भलावी, पूर्व सांसद श्रीमती नीता पटेरिया, पूर्व विधायक श्री राकेश पाल, श्री नरेश दिवाकर, कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना व पुलिस अधीक्षक श्री कृष्णलालचंदानी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

छपारा में आयोजित हुआ सदगुरु कबीर प्राकट्य महा महोत्सव..

जगप्रेरणा छपारा।

नगर छपारा में आयोजित सदगुरु कबीर प्राकट्य महा महोत्सव के द्वितीय दिवस पर कार्यक्रम के सभापति कबीर दर्शनाचार्य परम पूज्य गुरुदेव श्री रामजीवन शास्त्री साहेब जी ने सदगुरु कबीर साहेब के स्वरूप पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपस्थित भक्तजनों एवं महिला मंडल के द्वारा भव्य रूप से भजनों की प्रस्तुति दी गई। नगर एवं विभिन्न प्रांतो से आए हुए भक्त जनों ने पुष्पमाला पहनाकर गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य से लेकर पशु पक्षी तक 84 लाख योनियों के सफर में मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें कुछ कर गुजरने की संभावनाएं हैं। अतः हमें अपने जीवन के लिए कुछ ऐसे नियम तय करना चाहिए जिससे सामाजिक क्रांति के साथ ही साथ आध्यात्मिक क्रांति को भी बढ़ावा मिल सके। बीमार सिर्फमनुष्य ही नहीं होता बल्कि समाज को भी बीमारी लगती है। सदगुरु कबीर साहेब ऐसी ही सामाजिक बीमारियों के बहुत बड़े सुधारक हैं।उन्होंने जहां पर भी धर्म में, समाज में, परिवार में,व्यक्ति में कुरीति, पाखंड, आडंबर, अंधविश्वास देखा शीघ्र ही उसका उपचार भी किया। हमें आज साहेब के पावन सिद्धांत पथ पर चलकर सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्रांति का शंखनाद करना होगा। आगे आचार्य श्री ने कहा कि सदगुरु कबीर का आध्यात्मिक मार्ग सिखाता है कि परमात्मा केवल मंदिर, मस्जिद या अन्यत्र नहीं बल्कि हमारे भीतर में आत्मदेव के रूप में भी विराजमान है।

जड़ पूजा का निषेध करना किसी धर्म या मजहब का विरोध करना नहीं बल्कि अपने घट में बैठे प्रत्यक्ष चेतन आत्मदेव का सम्मान और अनुभूति करना है। जब तक हम अपने आत्म तत्व से अनुभूत नहीं होंगे तब तक आत्मा क्या है? परमात्मा क्या है? मैं कौन हूं ?मेरी मंजिल कहां है ?और अंतिम में मुझे कहां जाना है?

इत्यादि गूढ़ प्रश्नों का समाधान नहीं मिल सकता है। इसलिए सर्वप्रथम मनुष्य मात्र को चैतन्य जागृत गुरु के प्रति प्रेम, भक्ति, समर्पण की निर्मल भावना रखना होगा तभी जीव का कल्याण और मुक्ति प्राप्त हो सकती है। आगे पूज्य आचार्य श्री ने भक्ति पर जोर देते हुए कहा कि अन्य की भक्ति की अपेक्षा सर्वोपरि गुरु की भक्ति ही श्रेष्ठ है।

अनादि काल से ही गुरु का स्थान सबसे ऊंचा है। महान है गुरु अर्थात जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाएं, मृत्यु से अमरता की ओर ले जाएं, असत्य से सत्य की ओर ले जाएं वही सच्चे गुरु कहलाते हैं। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केवलारी विधानसभा के विधायक माननीय रजनीश सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जयकेश सिंह जी ठाकुर, गुलाब साहू जी, श्री संजय बैस जी, श्री कुलदीप सिंह जी, श्री भजनलाल चौकसे जी भीमगढ़, एवं श्री रामाधीन पटेल जी भीमगढ़ उपस्थित रहे। शाम 5 बजे नगर में सदगुरु कबीर साहेब के प्राकट्य दिवस के अवसर पर विशाल सद्भावना शोभा यात्रा निकाली गई।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपने जाने वाले कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को डूण्डासिवनी थाना में रखा..

बाद में मुचलके पर गिरफ्तार कांग्रेस जन को किया रिहा..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सिवनी आगमन पर ज्ञापन सौंपा जाना था, पुलिस प्रशासन द्वारा सुबह से ही कांग्रेस के नेताओं को अलग-अलग स्थानों से उठाना शुरू कर दिया गया, जिसके कारण कांग्रेस नेताओं में रोष व्याप्त रहा, जिला कांग्रेस कार्यालय से धरना स्थल पंहुचकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपने की जानकारी प्रशासन को थी। उसके बाद भी कांग्रेस के लोगो को पहले से ही गिरफ्तार किया गया। जिला कांग्रेस कार्यालय के सामने एकत्र होकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी के नेतृत्व में केवलारी विधायक ठा. रजनीशसिंह की उपस्थिति में जैसे ही आगे बढे पुलिस द्वारा बेरीकेट्स और पुलिस वाहन लगाकर सभा स्थल तक जाने से रोक लिया गया, कापी विवाद के बाद कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को डूण्डासिवनी थाना में रखा गया, बाद में मुचलके पर सभी गिरफ्तार कांग्रेस जन को रिहा किया गया। मुख्यमंत्री को सौंपे जाने वाले ज्ञापन में मांग इस प्रकार थीः-सिवनी जिले को संभाग का मुख्यालय बनाया जाए, सिवनी नगरपालिका को नगर निगम बनाया जाए सिवनी मेडिकल कॉलेज में अस्पताल निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए, इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय में आवश्यक चिकित्सा जांच उपकरण उपलब्ध कराए जाने के साथ साथ चिकित्सा विशेषज्ञो की नियुक्ति की जाए, खैरी से नगझर तक निर्माणाधीन गुणवत्ताहीन सड़क की जांच कराकर दोषियो पर शीघ्र कार्यवाही की जाए, सिवनी थोक कृषि उपजमंडी में आवश्यक सड़के, शौचालय, व्यवस्थित पार्किंग का निर्माण कराया जाए, छिन्दवाड़ा एवं बरघाट रोड़ रेल्वे क्रासिंग पर अत्यधिक यातायात दबाव होने के कारण जाम की स्थिति बन जाती है अतिशीघ्र ओवरब्रिज का निर्माण किया जाए, सिवनी जिले की नगरपालिका एवं नगर परिषदो में किए जा रहें भ्रष्टाचारों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, किसानों को समय पर उचित मात्रा में खाद उपलब्ध ना होने की, फसलो का उचित भाव न मिलने एवं बार बार पोर्टल बंद होने की समस्या से निजात दिलाया जाए, पेंच राष्ट्रीय पार्क के जानवरों द्वारा अनेक ग्रामीणों को निरंतर शिकार बनाया जा रहा है जिससे उनके परिवार जनों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो रहा है।

अतः मृतको के परिजनों को 25 लाख रूपय का मुआवजा दिया जाना सुनिश्चित किया जाए, जिले की धनौरा तहसील में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान एवं आपके द्वारा भी महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की गई थी जो अभी तक लंबित है, इस पर शीघ्र अमल किया जाए। ज्ञापन एवं विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजा बघेल, हाजी हनीफ अंसारी, हाजी असलम खान, ब्रजेशसिंह बघेल, मुकेश जैन, अनीक मोहम्मद दुपेन्द्र लकी अमूले, राजिक अकील, यशपाल भलावी, जिला कांग्रेस महामंत्री अतुलचंद मालू, शिव सनोडिया, रंजीत यादव, आनंद भगत, तेजसिंह रघुवंशी, आदित्य नारायण सिंह विकास बघेल, सुभाष बघेल, घनश्याम सनोडिया, राकेश सनोडिया, राजेश मानाठाकुर, उदय सिंह बघेल, नितिन डेहरिया, शुभम डहेरिया, तनवीर अहमद, जीशान खान, कैलाश अवधिया, संजय बघेल, किशोरी कुंजाम, हर्षवर्धनसिंह लकी बघेल, मंशाराम चन्द्रवंशी, डॉ. रमेन्द्रसिंह ठाकुर, मुबारक खान, आदित्य मोन्टू भूरा, शिवदीप डहेरिया, कृष्णकुमार दुबे, धनंजयसिंह, शिबू सेंगर, नब्बू भाई, जोएब जकी अनवर, सलाम कुरैशी, राजेश सोलंकी, नन्दू यादव, सुजीत गोदरे, श्रीमती पवनरेखा रिनायत, श्रीमती सुनीता वर्मा, कुमारी शिफा कुरैशी, ठा. जयप्रकाशसिंह परिहार, दिलीप रक्सेल, अजीजुरर्हमान बाबा भाई, सतेन्द्रसिंह बघेल, सुनील पंचेश्वर, राकेश बघेल, जयप्रकाश यादव, अमन खान, श्यामसिंह माली, कुलदीप काकोडिया, प्रवेश बाबू भालोटिया, ऋषभ सिंह ठाकुर, संजय बघेल, उमेश चक्रवर्ती, सुदर्शन बघेल, रहीम शाह, अंकित जावरे, आरिफ सफारी, डालचंद पप्पू पुसाम, यूसूफअंसारी, खुशाल बघेल, शिवराम उइके, गणेश भगत, जगदीश वासनिक, अब्दुल वहीद खान, सतवंत सिंह बघेल, रामदास उइके, बालचंद कुंजाम, राहुल बघेल, बालमुकुंद बघेल, लल्लू बघेल जैतपुर, सुरेन्द्र बघेल, छोटो बघेल, सुनील बघेल सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित हुए।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

बावड़ी उत्सव के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन, जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का लिया संकल्प..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड वारासिवनी द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंदरा में 'बावड़ी उत्सव (जल स्त्रोत पूजन उत्सव)' के रूप में अभियान का गरिमामय समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी से जोड़ते हुए पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के छायाचित्र पर पूजन-अर्चन, कलश पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि विगत तीन माह से जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमशीएलडीपी) के छात्र-छात्राओं ने भीषण गर्मी के दौरान भी जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य किया।

इस अवधि में बोरी बंधान, सोख्ता गड्ढों का निर्माण तथा गांव-गांव में चौपालों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि ÷घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में÷ रोकने का संकल्प ही भविष्य के जल संकट से बचाने का प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि ÷जल है तो कल है, जल नहीं तो कल नहीं÷ की भावना को जन-जन तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि एवं सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन बिसेन ने कहा कि पारंपरिक जल स्त्रोत हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं। इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी के साथ आगे आना होगा।

प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत वारासिवनी सुश्री सरोज सरिया ने जल गंगा संवर्धन अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि आज हम अपने कुओं, बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियाँ इन धरोहरों को सुरक्षित रूप में देख सकेंगी। उन्होंने जल संरक्षण को सामाजिक दायित्व बताते हुए जनसहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत ने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा विगत तीन माह से चलाया गया यह अभियान जनजागरण का प्रभावी माध्यम बना है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा विनोद कुमार वट्टी ने उपस्थित लोगों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए जल, बचाने और जल संरचनाओं के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। समापन अवसर पर सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चंदन नदी के तट पर पौधारोपण किया। इसके पश्चात माँ चंदन मैया का विधिवत पूजन-अर्चन कर श्रीफल अर्पित किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रभावी संदेश दिया गया ।कार्यक्रम का सफल संचालन खिलेंद्र नागेश्वर, अध्यक्ष ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कोचेवही ने किया। उक्त कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के राजकुमार लिल्हारे, मिथिलेश बुर्डे, निलेश झरिया, राकेश मिश्रा सहित समस्त परामर्शदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के छात्र-छात्राएँ, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कटंगी में बावड़ी उत्सव आयोजित, जल संरक्षण का लिया संकल्प..

जगप्रेरणा कटंगी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत के नेतृत्व में बामन नाला तालाब स्थित रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्त्रोतों के संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद की प्रभारी अध्यक्ष धर्मकला कामराज देशमुख सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कुएं, बावडियां और तालाब हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने बताया कि अभियान के तहत पिछले तीन माह से बोरी बंधान, सोख्ता गड्ढों का निर्माण तथा गांव-गांव में चौपालों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने ÷घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में÷ रोकने का संदेश देते हुए जल बचाने को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथियों ने बामन नाला तालाब का पूजन कर जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इसके बाद नगर में जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं एवं नागरिक शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबल योजना की अनुग्रह राशि का किया वितरण..

बालाघाट जिले में 696 प्रकरणों में 14.87 करोड़ की राशि की गई वितरित

जगप्रेरणा बालाघाट।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 01 जुलाई बुधवार को सिवनी जिले में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से जिले के संबल योजना हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेड बालाघाट के एनआईसी कक्ष में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के 696 प्रकरणों में 14 करोड़ 87 लाख रूपये का वितरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। इसमें सामान्य मृत्यु के 647 प्रकरणों में 12 करोड़ 94 लाख रुपये, दुर्घटना मृत्यु के 48 प्रकरणों में 1 करोड़ 92 लाख रुपये तथा आंशिक अपंगता के एक प्रकरण में 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। कलेक्ट्रेड के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस लाइव प्रसारण के दौरान प्रभारी श्रम पदाधिकारी श्री आरके ठाकरे, श्रम निरीक्षक दीपक डहरवाल, आशुतोष दुबे, सुनील यादव एवं हितलाभ लेने वाले हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

जिले में 696 हितग्राहियों को 14.77 करोड़ रुपए की राशि का हुआ वितरण

कार्यक्रम में जिले की 16 स्थानीय निकायों के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जनपद पंचायत लालबर्रा में सबसे अधिक 79 प्रकरणों का निराकरण हुआ, जबकि कटंगी में 78, बालाघाट में 77, लांजी में 75 और किरनापुर में 67 हितग्राहियों को सहायता राशि दी गई। इसके अलावा बैहर जनपद में 44, खैरलांजी में 63, परसवाड़ा में 42, बिरसा में 56 और वारासिवनी जनपद में 51 प्रकरण शामिल रहे। नगरीय निकायों में नगर पालिका बालाघाट के 27, मलाजखंड व वारासिवनी के 11-11, नगर परिषद बैहर के 5, कटंगी के 4 और लांझी के 6 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि प्रदान की गई।

बारिश के मौसम में नदी-नालों, तालाबों और जलभराव वाले क्षेत्रों में प्रवेश पर प्रतिबंध..

जगप्रेरणा बालाघाट।

वर्षा ऋतु के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बालाघाट के अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्री गोपाल सोनी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)

2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 1 जुलाई 2026 प्रातः 11 बजे से वर्षा ऋतु की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार, बालाघाट अनुविभाग की सीमा में किसी भी व्यक्ति के लिए नदी-नालों, बाढ़ या उफान वाले क्षेत्रों, गहरे गड्ढों, तालाबों तथा वर्षा जल से भरे स्थानों में स्नान करने अथवा किसी भी उद्देश्य से प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा। नदी-नालों में बाढ़ या उफान की स्थिति में ऐसे स्थानों से 100 मीटर की परिधि तक आमजन का प्रवेश भी पूरी तरह निषिद्ध रहेगा। साथ ही भारी वर्षा के दौरान भूस्खलन, लैंडस्लाइड या मलबा गिरने की आशंका वाले पहाड़ी क्षेत्रों में भी लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश पुलिस, सुरक्षा बलों, आपदा राहत एवं बचाव कार्यों में लगे अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। आदेश का उद्देश्य वर्षा ऋतु में संभावित दुर्घटनाओं को रोकना तथा जन-जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी ने संबंधित विभागों, पुलिस, नगर पालिका, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 (पूर्व धारा 188) के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 01 जुलाई तक 87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

वारासिवनी तहसील में सबसे अधिक 185 मिलीमीटर और खैरलांजी तहसील में सबसे कम 30 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड

जिले में बीते 24 घंटे में 26 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

जगप्रेरणा वारासिवनी।

चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 01 जुलाई 2026 तक कुल 87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 163 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है।

जिले में 01 से 01 जुलाई तक 231 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए था। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 26 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 79 मिलीमीटर, वारासिवनी में 28 मिलीमीटर, बैहर में 28 मिलीमीटर, लांजी में 33 मिलीमीटर, कटंगी में 14 मिलीमीटर, किरनापुर में 09 मिलीमीटर, खैरलांजी में 22 मिलीमीटर, लालबर्रा में 31 मिलीमीटर, बिरसा में 01 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 15 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 25 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

चालू वर्ष में 01 जून से 01 जुलाई तक सबसे अधिक 185 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 30 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 151 मिलीमीटर, बैहर में 90 मिलीमीटर, लांजी में 104 मिलीमीटर, कटंगी में 31 मिलीमीटर, किरनापुर में 71 मिलीमीटर, लालबर्रा में 81 मिलीमीटर, बिरसा में 27 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 75 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 104 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 302 मिलीमीटर, वारासिवनी में 210 मिलीमीटर, बैहर में 197 मिलीमीटर, लांजी में 85 मिलीमीटर, कटंगी में 69 मिलीमीटर, किरनापुर में 204 मिलीमीटर, खैरलांजी में 54 मिलीमीटर, लालबर्रा में 226 मिलीमीटर, बिरसा में 179 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 176 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 84 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

व्हाटसअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली केहर सिंह मरकाम के परिवार की जिंदगी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए आशियाने का सपना साकार करने वाली एक महत्वपूर्ण योजना साबित हो रही है। इसका जीवंत उदाहरण नगर पालिका परिषद मलांजखण्ड के वार्ड क्रमांक 01, करहू निवासी श्री केहर सिंह मरकाम हैं, जिनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना आज हकीकत बन चुका है।

45 वर्षीय श्री केहर सिंह मरकाम अपने परिवार के साथ लंबे समय तक एक जर्जर कच्चे मकान में रहने को विवश थे। हर वर्ष बारिश का मौसम उनके परिवार के लिए चिंता और परेशानी लेकर आता था। घर की छत और दीवारों से पानी टपकता था, जिससे पूरे परिवार को रातभर जागकर समय बिताना पड़ता था। साथ ही सांप-बिच्छुओं जैसे जहरीले जीवों का खतरा भी हमेशा बना रहता था। सीमित कृषि आय के कारण स्वयं के संसाधनों से पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था। वर्ष 2017-18 में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। योजना के अंतर्गत उनका चयन हुआ और उन्हें 2.50 लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत हुई। शासन से प्राप्त इस सहायता का उन्होंने पूरी ईमानदारी और समझदारी से उपयोग करते हुए अपने परिवार के लिए एक मजबूत एवं सुरक्षित पक्का मकान तैयार कराया।

आज श्री केहर सिंह मरकाम का परिवार अपने नए घर में सुरक्षित, सम्मानजनक और सुखद जीवन व्यतीत कर रहा है। बरसात के दिनों की चिंता अब बीते समय की बात हो गई है। पक्के घर ने न केवल उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की है, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का नया संबल भी दिया है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए श्री केहर सिंह मरकाम कहते हैं, ÷प्रधानमंत्री आवास योजना ने मुझे केवल एक पक्का घर ही नहीं दिया, बल्कि मेरे परिवार को सुरक्षित भविष्य और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर भी दिया है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं शासन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।÷ श्री केहर सिंह मरकाम की यह कहानी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की सफलता का प्रेरणादायक उदाहरण है, जो यह दर्शाती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन ला रही हैं।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

बेल्जियम के 10 मंजिला अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, रह रहे थे 200 लोग, बड़ी संख्या में मौत की खबर..

डेस्क जगप्रेरणा।

बेल्जियम के एंटवर्प शहर में 10 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। कई लोगों की मौत की खबर सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, अग्निशमन विभाग को स्थानीय समयानुसार

सुबह 9:53 बजे एंटवर्प के लिंकेरोएवर जिले में आवासीय बिल्डिंग की आठवीं मंजिल पर भीषण आग लगने की आपातकालीन सूचना प्राप्त हुई।

बिल्डिंग को कराया गया खाली..

पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग में 200 से अधिक लोग रह रहे थे। दमकलकर्मियों द्वारा आग बुझाने के प्रयासों के दौरान बिल्डिंग को खाली करा लिया गया है। अधिकारियों ने कई लोगों की मौत की पुष्टि की है, लेकिन मृतकों की सही संख्या का खुलासा नहीं किया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना में कई लोग बुरी तरह से झुलसे हैं।

आग लगने के कारण का नहीं चल सका पता..

आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। बचाव दल अभी भी बिल्डिंग के अंदर मौजूद हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बिल्डिंग के अंदर कितने लोग फंसे हो सकते हैं। अधिकारियों ने अभी तक मृतकों या घायलों की सटीक संख्या जारी नहीं की है।

अभी तक नियंत्रण में नहीं है आग..

दोपहर करीब 12:00 बजे तक दमकलकर्मियों ने बताया कि आग पर काबू नहीं पाया जा सका था। अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता मैरी डी क्लर्क कहा, 'आग अभी तक बुझाई नहीं गई है। आग अभी तक नियंत्रण में नहीं है। आग लगाने के कारणों की जांच की जा रही है।'

मेडिकल हेल्प को किया गया एक्टिव..

आग लगने की घटना को गंभीरता से देखते हुए आपातकालीन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल हेल्प को एक्टिव कर दिया है। वासलैंड, केम्पेन, रैंड और रिविएरेनलैंड सहित कई पड़ोसी क्षेत्रों से अग्निशमन दल को आग पर काबू पाने और बचाव अभियान चलाने में स्थानीय अग्निशमन कर्मियों की सहायता के लिए तैनात किया गया है।

दूर तक उठता हुआ दिखाई दिया धुंआ..

घटनास्थल से मिली तस्वीरों में बिल्डिंग की ऊपरी मंजिलों से घना काला धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है।

आपातकालीन वाहन और फायरब्रिगेड की गाड़ियां इलाके को घेरे हुए हैं। बिल्डिंग के आसपास लोग अपने परिजनों को खोज रहे हैं। इलाके में अफरा तफरी मची हुई है।

शाहजहांपुर में राजधानी ब्रांड के नाम पर नकली बेसन-दाल बनाने वाली फर्मों का भंडाफोड़, 32 लाख से ज्यादा का माल बरामद..

डेस्क जगप्रेरणा।

यूपी के शाहजहांपुर में नकली बेसन और दाल बनाने वाली फर्मों का भंडाफोड़ हुआ है। ये फर्में प्रतिष्ठित ब्रांड 'राजधानी' समेत कई कंपनियों के नाम का गलत इस्तेमाल कर रही थीं और 'राजधानी'

और अन्य ब्रांड के नाम पर नकली बेसन और दालें बेच रही थी। छापेमारी टीम ने इस फर्जी फर्म से 32 लाख रुपए से ज्यादा का माल बरामद किया है। इस दौरान 1300 बोरों में रखी दाल सीज की गई है।

क्या है पूरा मामला?

जिलाधिकारी कार्यालय शाहजहांपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, '30 जून को दिल्ली की एक प्रतिष्ठित कंपनी द्वारा शिकायत मिली थी कि शाहजहांपुर के जियाखेल मोहल्ले में विकास अग्रवाल और विवेक अग्रवाल द्वारा उनके ब्रांड की डुप्लीकेसी की जा रही है। इस शिकायत के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर जियाखेल मोहल्ले में एक ही परिसर में संचालित 2 फर्मों (मै. आरव उद्योग और मै. श्री कृष्णा इंडस्ट्रीज) पर छापेमारी की गई।'

बेसन और दाल से भरे 550 बोरे मिले..

मै. आरव उद्योग फर्म पर, शिकायत करने वाली फर्म के ब्रांड के बेसन और दाल से भरे 550 बोरे मिले और 200 खाली बोरे भी मिले। इसके अलावा पैकिंग करने वाली मशीन भी मिली। मै. आरव उद्योग और मै. श्री कृष्णा इंडस्ट्रीज पर कई ब्रांडों के बेसन और दालों की करीब 3500 क्विंटल भंडारित मात्रा पाई गई, जिसमें बेसन और दालों के कुल 7 नमूने लिए गए। छापेमारी के दौरान विभिन्न ब्रांडों के नाम छपे हुए 800 खाली बोरे और पैकिंग मशीन भी बरामद हुई है।

1300 बोरों में रखी दाल सीज, कीमत 32 लाख से ज्यादा..

छापेमारी के दौरान 1300 बोरों में रखी दाल को सीज कर दिया गया, जिसकी मात्रा लगभग 386 क्विंटल थी और कीमत 32 लाख 87 हजार थी। इस मामले में दिल्ली की फर्म द्वारा कॉपीराइट एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज करवाई जा रही है। बता दें कि राजधानी देश का एक प्रतिष्ठत ब्रांड है और घरों में इसके प्रोडक्ट्स खूब यूज किए जाते हैं। ऐसे में नकली माल को प्रतिष्ठित ब्रांड की पैकिंग में बेचकर ये नकली व्यापार करने वाली फर्में, एक तरफ जनता की सेहत से खिलवाड़ कर रही थीं, वहीं दूसरी तरफ राजधानी ब्रांड की साख को भी नुकसान पहुंचा रही थीं।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

बोरवेल में गिरे चार साल के बच्चे की मौत, प्राथमिकी दर्ज..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हरियाणा के अंबाला जिले में 220 फुट गहरे बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे को 21 घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद बुधवार तड़के बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने इस सिलसिले में खेत के मालिक और उस जमीन से जुड़े दो अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है

जहां यह बोरवेल खोदा गया था। पुलिस लापरवाही बरतने के आरोप में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

निरवैर सिंह को मंगलवार सुबह शुरू हुए विभिन्न एजेंसियों के संयुक्त बचाव अभियान के बाद बुधवार तड़के तीन बजकर 40 मिनट पर बोरवेल से बाहर निकाला गया और उसे तुरंत एम्बुलेंस से अंबाला छावनी के सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषिपाल सिंह ने बताया कि बच्चे को बोरवेल से बाहर निकालने के तुरंत बाद घटनास्थल पर ही उसकी प्रारंभिक जांच की गई थी।

उन्होंने बताया कि बच्चे के जीवित होने के कोई संकेत नहीं मिले, जिसके बाद उसे अस्पताल लाया गया और वहां आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण किए गए। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉ. सुमित कुकरेजा उस चिकित्सकों के समूह (पैनल) के एक सदस्य हैं, जिन्होंने बच्चे के शव का पोस्टमार्टम किया था।

उन्होंने बताया कि बच्चे के शव को तड़के करीब चार बजे अस्पताल लाया गया था। उसके शरीर, विशेषकर छाती, सिर और दोनों घुटनों पर चोटों और खरोंचों के निशान मिले हैं। इसके अलावा, फेफड़ों में कीचड़ वाला पानी पाया गया। कुकरेजा के अनुसार, मौत का कारण डूबना और चोटें लगना तय किया गया है। यह घटना मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे अंबाला जिले के धन्यौड़ा गांव में हुई। निरवैर सिंह अपने पिता मनजीत के साथ खेत में अपने दादा करनैल सिंह के लिए खाना लेकर गया था। परिवार के अनुसार, करनैल सिंह सुबह ही खेत में काम करने चले गए थे, जबकि मनजीत बाद में उनके लिए खाना लेकर पहुंचे। निरवैर ने भी अपने पिता के साथ जाने की जिद की, जिसके बाद मनजीत उसे साथ ले गए। खेत पर पहुंचने के बाद मनजीत काम में लग गए और करनैल सिंह खाना खाने लगे। निरवैर पहले अपने दादा के पास बैठा रहा लेकिन कुछ देर बाद खेलने लगा। खेलते-खेलते उसकी नजर खुले बोरवेल पर पड़ी और वह उसमें मिट्टी डालने लगा। माना जा रहा है कि जब वह बोरवेल के अंदर झांकने के लिए झुका, तभी आसपास की गीली मिट्टी धंस गई और उसका पैर फिसलने से वह बोरवेल में गिर गया। मनजीत ने बताया कि अचानक तेज आवाज सुनकर उनका ध्यान उधर गया। वह तुरंत बोरवेल के पास पहुंचे और निरवैर को आवाज लगाई।

बच्चे के बोरवेल में गिरने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने पहले अपने स्तर पर उसे निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर सुबह करीब साढ़े सात बजे प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही उपायुक्त (डीसी) अजय सिंह तोमर अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद बचाव दलों ने व्यापक अभियान शुरू किया। तोमर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आपातकालीन बचाव दलों को मौके पर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना और जिला प्रशासन ने बच्चे को जीवित बाहर निकालने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हो रही बारिश के कारण भी बचाव अभियान प्रभावित हुआ। गांव के सरपंच कप्तान सिंह ने बताया कि बच्चे के पिता मनजीत सिंह बिजली विभाग में कार्यरत हैं। मनजीत और उनकी पत्नी जसबीर कौर की एक बड़ी बेटी भी है। उन्होंने बताया कि निरवैर का इसी वर्ष पास के भनोखेड़ी गांव के एक स्कूल में नर्सरी कक्षा में दाखिला कराया गया था। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में निरवैर अपनी नानी के घर गया हुआ था और स्कूल एक जुलाई से खुलने के कारण वह सोमवार को ही वापस लौटा था।

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज भी मंगलवार शाम घटनास्थल पर पहुंचे थे। अंबाला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि परिवार की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने खेत मालिक हरनेक सिंह और खेत को पट्टे पर लेने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 (लापरवाही के कारण मौत होना) के तहत मामला दर्ज किया है।

परिवार का आरोप है कि बोरवेल से मोटर निकालने के बाद उसे बिना ढके ही खुला छोड़ दिया गया था। खेत मालिक ने न तो बोरवेल के पास कोई चेतावनी बोर्ड लगाया था और न ही उसे ढका था। इसी लापरवाही के कारण निरवैर बोरवेल में गिर गया और उसकी जान चली गई। गांव में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की मौजूदगी में निरवैर का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस बीच, जिला प्रशासन ने संबंधित विभाग को जिले भर के खेतों में मौजूद बोरवेलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बोरवेल खुला न रहे।

उपायुक्त ने मंगलवार को कहा था कि बोरवेल को खुला छोड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस को दे दिए गए हैं। तोमर ने किसानों से अपने खेतों में बोरवेल को खुला न छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि यदि बोरवेल ढका होता तो यह हादसा टाला जा सकता था। पंजाब के होशियारपुर में भी पिछले महीने ऐसी ही घटना हुई थी,

जिसमें चार वर्षीय एक बच्चा अपने घर के पास नए बोरवेल में गिर गया था। हालांकि, कई बचाव एजेंसियों और स्थानीय स्वयंसेवकों ने करीब नौ घंटे तक चले अभियान के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के एक गांव में 2006 में बोरवेल में गिरे पांच वर्षीय प्रिंस को बचाने के लिए भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया था। करीब 48 घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था।

नाबालिग बच्ची को कैद से छुड़ाया

चेहरे पर मिले पिटाई के जख्म, 1 साल पहले मां के साथ 2 बेटियों को किया गया था अगवा..

डेस्क जगप्रेरणा।

सुपौल सदर थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग बच्ची को कथित तौर पर करीब 1 साल तक कमरे में बंद करक रखा गया, जिसे अब रिहा कराया गया है।

ये घटना नगर परिषद क्षेत्र के कृष्णापुरी वार्ड-4 की है। बच्ची ने आरोप लगाया है कि उसे लंबे समय तक एक अनजान कमरे में कैद करके रखा गया। उसके साथ लगातार बेरहम तरीके से पिटाई की गई और उसकी मां को बेच दिया। बच्ची के इस गंभीर आरोप के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

क्या है पूरा मामला?

पीड़ित बच्ची के पिता मनीष कुमार यादव के मुताबिक,जुलाई 2025 में उनकी पत्नी और दोनों बेटियां अचानक लापता हो गई थीं। उन्होंने पुलिस से शिकायत भी की थी, लेकिन उनका आरोप है कि उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। करीब एक साल बाद बड़ी बेटी किसी तरह कैद से निकलकर अपने घर पहुंची। परिवार ने जब उससे पूछताछ की तो उसने अपनी छोटी बहन के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने खोजबीन शुरू की और मंगलवार 30 जून की शाम कृष्णापुरी वार्ड-4 स्थित एक कमरे से छोटी बेटी को बरामद किया।

बच्ची ने लगाए गंभीर आरोप..

बरामद नाबालिग बच्ची ने पुलिस और परिजनों के सामने आरोप लगाया कि उसे करीब एक साल तक कमरे में बंद रखा गया और लगातार उसकी बेरहमी से पिटाई की जाती रही। लड़ने ने बताया कि उसकी मां को बेच दिया गया है। बच्ची के इस बयान के बाद पुलिस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लेकर जांच कर रही है।

एक महिला हिरासत में..

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों बच्चियों का बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि बच्चियों के बयान, मिला सबूत और दूसरे तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सदर थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने लोगों से अपील की है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी तरह के निष्कर्ष पर न पहुंचें। उन्होंने कहा कि मामला बेहद संवेदनशील है और हर पहलू की गहन जांच की जा रही है। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं बच्ची के लगाए आरोपों में कितनी सच्चाई है इसकी भी जांच की जा रही है। फिलहाल मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस जांच कर रही है।

आकाशीय बिजली गिरने दो लोगों की मौत, धान रोपाई कर रहे बच्चों समेत आठ लोग झुलसे..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

सुलतानपुर जिले में बुधवार को बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई तथा धान की रोपाई कर रहे आठ अन्य लोग झुलस गए। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बंधुआकला थाना क्षेत्र के धारूपुर गांव में धान की रोपाई के दौरान अचानक शुरू हुई बारिश के बीच गिरी बिजली की चपेट में आने से 65 वर्षीय पियारी देवी की मौके पर ही मौत हो गई तथा बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े आठ अन्य ग्रामीण भी झुलस गये। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को तत्काल कुड़वार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उदयराज, जय सिंह, छत्रपाल और प्रानदेई की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। बंधुआकला थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्रीय उप जिलाधिकारी (एसडीएम) उत्तम तिवारी ने मृतक पियारी देवी के परिजनों को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया है। आकाशीय बिजली गिरने की एक अन्य घटना में मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के ककरवारपुर गांव में 65 वर्षीय जगन्नाथ पाल की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जगन्नाथ खेत में भैंस चरा रहे थे, उसी दौरान वह अचानक हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गए और अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसडीएम जयसिंहपुर प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि हल्का लेखपाल और नायब तहसीलदार ने घटनास्थल का दौरा किया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पीड़ित परिवार को दैवीय आपदा के तहत चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

पत्नी की हत्या के बाद शव को कोबरा से डसवाया, पूर्व बैंक प्रबंधक को उम्रकैद..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

इंदौर की जिला अदालत ने मुंह दबाकर एक महिला की हत्या करने और शव को कोबरा से डसवाने के जुर्म में उसके पति को उम्रकैद की सजा सुनाई और 45,000 रुपये जुर्माना लगाया। अभियोजन विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमंत कुमार रघुवंशी ने 24 जून को पारित निर्णय में अमितेश पटेरिया उर्फ शालू (43) को भारतीय दंड विधान की धारा 302 (हत्या), धारा 201 (अपराध के सबूत मिटाना)

और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 51 (संरक्षित वन्य जीव की हत्या) के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि पटेरिया पर यह जुर्म युक्तियुक्त संदेह से परे प्रमाणित होता है कि उसने एक दिसंबर 2019 को अपनी पत्नी शिवानी की तकिये से मुंह दबाकर हत्या की और इस अपराध के सबूत मिटाकर सजा से बचने के इरादे से उसे कोबरा सांप से डसवाया ताकि मान लिया जाए कि उसकी मृत्यु सांप के काटने के कारण हुई है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पटेरिया ने घटना के बाद कोबरा को मार दिया। अपर लोक अभियोजक चंद्रशेखर चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अभियोजन पक्ष ने पटेरिया पर अदालत में जुर्म साबित करने के लिए 28 गवाह पेश किए थे, जिनमें पुलिस अधिकारियों के साथ ही पोस्टमॉर्टम बोर्ड के सदस्य और पशु चिकित्सक शामिल थे। पटेरिया एक निजी बैंक का प्रबंधक रह चुका है। अभियोजन के मुताबिक घटनास्थल के मुआयने के दौरान पुलिस को बिस्तर, तकिये के कवर और अन्य सामान के साथ ही मरा हुआ कोबरा सांप भी मिला था।

हालांकि, शिवानी के शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि उसकी मृत्यु मुंह दबाए जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। मामले के एक जांच अधिकारी ने अपने बयान में अदालत को बताया कि पूछताछ के दौरान पटेरिया ने कहा था कि उसने राजस्थान के अलवर रेलवे स्टेशन पर एक सपेरे से 5,000 रुपये में कोबरा खरीदा था। शिवानी के मायका पक्ष के गवाहों ने अदालत में अपने बयानों में दम्पति के बीच वैवाहिक तनाव और पारिवारिक मतभेदों का उल्लेख किया था।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

हालैंड के निर्णायक गोल से पहली बार नॉकआउट मैच जीता नॉर्वे..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड ने अपने कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया जिससे नॉर्वे ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल में पहली बार नॉकआउट मैच जीता।

जैसे ही नॉर्वे के पैट्रिक बर्ग गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में पहुंचे, तीन डिफेंडर ने उन्हें घेर दिया। उन्होंने बड़ी कुशलता से इन तीनों डिफेंडर को छकाते हुए गेंद को हालैंड की तरफ बढ़ा दिया जिन्होंने उसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। यह उनका मौजूदा टूर्नामेंट में तीन मैचों में पांचवां गोल है। नॉर्वे की ओर से एंटोनियो नुसा ने 39वें मिनट में घुमावदार किक से गोल किया। आइवरी कोस्ट के लिए अमाद डियालो ने 74वें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

चौथी बार विश्व कप में भाग ले रहे नॉर्वे का अंतिम 16 में मुकाबला रविवार को ईस्ट रदरफोर्ड में पांच बार के चैंपियन ब्राजील से होगा जिसे उसने 28 साल पहले हराकर फुटबॉल जगत में तहलका मचा दिया था। नॉर्वे 1998 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। तब उसकी टीम ने ग्रुप के अपने अंतिम मैच में 83वें और 89वें मिनट में गोल करके ब्राजील के खिलाफ 2-1 से जीत के दम पर नॉकआउट राउंड में जगह बनाई थी।

हालैंड ने नॉर्वे के लिए 53 मैचों में रिकॉर्ड 60वां गोल किया। उनके इस गोल के बाद आइवरी कोस्ट ने बराबरी का गोल करने के लिए अथक प्रयास किए। उसे स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में डियालो के फ्री किक पर लिए गए शानदार शॉट से बराबरी करने का मौका भी मिला लेकिन नॉर्वे के गोलकीपर ओरजान नाइलैंड ने बड़ी खूबसूरती से उसे बचाकर खतरा टाल दिया। यह उनके चार बचाव में से आखिरी था।

मैनचेस्टर सिटी के लिए पिछले सत्र में प्रीमियर लीग में 27 गोल करके गोल्डन बूट जीतने वाले हालैंड ने लगातार 13 प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय मैचों में गोल किए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 25 गोल किए हैं। नुसा ने 39वें मिनट में विश्व कप में अपना पहला गोल किया, जब उन्होंने पेनल्टी एरिया के बाएं कोने से कुछ कदम आगे बढ़ते हुए दो डिफेंडरों का गफलत में डालकर दाहिने पैर से लगाई गई जोरदार किक से गेंद को दूर वाले पोस्ट के अंदर भेज दिया था।

आइवरी कोस्ट के गोलकीपर याहिया फोफाना ने गेंद को पकड़ने के लिए डाइव लगाई, लेकिन वह उनकी पहुंच से थोड़ी दूर थी। नॉर्वे के लिए खेले गए 28 मैचों में नुसा का यह नौवां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

डियालो ने निकोलस पेपे के साथ मिलकर गेंद आगे बढ़ाई और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पेपे ने पिछले मैच में आइवरी कोस्ट के दोनों गोल किए थे और 55वें मिनट में नाइलैंड ने उनके शॉट को रोक दिया था। हाफ टाइम से पहले आइवरी कोस्ट को गोल करने का मौका मिला जब नुसा को स्टॉपेज टाइम में पीला कार्ड दिखाया गया। पेपे ने फ्री किक ली लेकिन उनका हेडर गोलपोस्ट के बायीं ओर से बाहर निकल गया।

मुंबई की बारिश में कार छोड़ रणदीप हुड्डा ने पकड़ी मेट्रो, मास्क से छुपाया चेहरा, वीडियो वायरल..

डेस्क जगप्रेरणा।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में मॉनसून दस्तक दे चुका है और मॉनसून की पहली बारिश ने ही जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति है

तो कई जगह बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर जमीन पर आ गिरे हैं। लेकिन, मॉनसून के आने से लोग काफी खुश हैं। कई सितारों ने भी सोशल मीडिया पर मॉनसून के आने पर खुशी जाहिर की है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता मुंबई मेट्रो में सफर करते नजर आ रहे हैं। दरअसल, मुंबई में कई घंटों से जारी बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया है और इससे ट्रैफिक भी बुरी तरह प्रभावित है। ऐसे में रणदीप हुड्डा ने समय बचाने के लिए लग्जरी कार छोड़ पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करने का फैसला किया।

शूट के लिए अंधेरी ईस्ट गए थे रणदीप हुड्डा..

बताया जा रहा है कि रणदीप हुड्डा शूटिंग के चलते अंधेरी ईस्ट गए थे। इसी बीच मुंबई में जोरदार बारिश हो गई और सड़कों पर जाम लग गया। काम खत्म करने के बाद रणदीप हुड्डा ने तेज बारिश और सड़कों के ट्रैफिक से बचने के लिए कार छोड़ मेट्रो में सफर का रास्ता चुना, जो उनके लिए घर पहुंचने का तेज और ज्यादा सुविधाजनक रास्ता था।

पहचान छुपाने के लिए एक्टर ने अपना मुंह मास्क से छुपा लिया, लेकिन इसके बाद भी फैंस के नजरों ने उन्हें पहचान लिया और कई ने एक्टर का वीडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

रणदीप हुड्डा ने की मेट्रो की सवारी..

सोशल मीडिया पर रणदीप हुड्डा की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें अभिनेता को मेट्रो की सवारी का मजा लेते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में रणदीप ब्लैक जींस, भूरे रंग की टी-शर्ट और जैकेट पहने मेट्रो में खड़े नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने मास्क से अपना चेहरा ढका था ताकि उन्हें देखने के बाद लोगों में किसी भी तरह की अफरातफरी न मचे। एक्टर की ये सादगी देखने के बाद फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

रणदीप हुड्डा का वर्क फ्रंट..

वर्क फ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' में नजर आएंगे, जो साल 2000 में सिएरा लियोन में 233 भारतीयों को बंधक बनाए जाने की सच्ची घटना पर आधारित है। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल पाल पुनिया की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह श्रद्धा कपूर 'ईथा' में भी महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे और 'पचहत्तर का छोरा' में लीड रोल निभाते दिखेंगे। पिछले दिनों रणदीप 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' में नज आए थे, जिसमें उन्होंने पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा की भूमिका से दर्शकों के दिल जीते।

क्या आलिया भट्ट ने समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के लिए लिया था पैसा? एक्ट्रेस ने मजेदार अंदाज में दिया जवाब..

डेस्क जगप्रेरणा।

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म 'अल्फा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जो जल्दी ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाली है। यशराज फिल्म्स की इस स्पाई थ्रिलर के साथ आलिया भी स्पाई यूनिवर्स में कदम रख रही हैं,

जिसे लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। आलिया भी अपनी फिल्म प्रमोट करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं। 'अल्फा' के प्रमोशन के लिए अभिनेत्री हाल ही में शरवरी वाघ के साथ समय रैना के कॉन्ट्रोवर्शियल शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में भी पहुंची थीं। जहां वह खूब एंजॉय करती दिखीं, लेकिन इस दौरान वह थोड़ी नर्वस भी लग रही थीं। अब हाल ही में जब एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म प्रमोशन के सिलसिले में जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी, जयपुर पहुंचीं, जहां उनसे इस शो में जाने को लेकर सवाल किया गया, जिस पर एक्ट्रेस ने बहुत ही मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी।

'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में आलिया ने क्यों की शिरकत?

इस हफ्ते की शुरुआत में आलिया भट्ट अपनी फिल्म 'अल्फा' के प्रमोशन के लिए जयपुर के जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी पहुंचीं, जहां वह ऑडियंस से रूबरू हुईं। इस दौरान उनकी को-स्टार शरवरी वाघ भी उनके साथ मौजूद रहीं। इसी दौरान उन्होंने समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में शिरकत करने को लेकर भी बात की।

प्रमोशन के दौरान एक स्टूडेंट ने आलिया से पूछा कि आखिर वह इस शो में शिरकत के लिए कैसे मान गईं, जबकि ये बहुत ही अनफिल्टर्ड शो है। इस सवाल पर ऑडियंस में बैठे लोगों में से किसी ने कहा- 'पैसा'। ये सुनकर आलिया हस पड़ीं और बोलीं- 'किसने बोला ये? किसी गरीब आदमी ने।'

समय रैना ने भी शेयर किया आलिया का वीडियो..

आलिया भट्ट ने जैसे ही ये जवाब दिया, ऑडियंस में बैठे सभी लोग हस पड़े और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। वहीं सोशल मीडिया पर भी अभिनेत्री की ये हाजिर जवाबी चर्चा का विषय बन गई है। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। समय रैना ने भी एक्ट्रेस का ये वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा- 'हाहाहा फुल किल।' सोशल मीडिया यूजर भी इस वीडियो पर मजाकिया अंदाज में कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- 'समय रैना के साथ रहने के साइड इफेकट्स।' एक ने लिखा- 'क्या बात है, आलिया फुल किलिंग मोड में हैं।' ऐसे ही कमेंट करते हुए यूजर एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं।

'अल्फा' के बारे में..

अल्फा की बात करें तो शिव रवैल द्वारा निर्देशित ये स्पाई-थ्रिलर 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ लीड रोल में हैं और इनके साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर जैसे स्टार भी अहम भूमिका में हैं। बता दें, 'अल्फा' यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड स्पाई-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें आलिया लीड रोल में हैं। इससे पहले वाईआरएफ की इस स्पाई यूनिवर्स की सलमान खान स्टारर 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है', ऋतिक रोशन स्टारर 'वॉर', शाहरुख खान फेम 'पठान', 'टाइगर 3' (सलमान खान) और 'वॉर 2' (ऋतिक रोशन) जैसी फिल्में शामिल हैं।

विजया मेहता का निधन, 92 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा, अनुपम खेर ने दी श्रद्धांजलि..

डेस्क जगप्रेरणा।

मराठी थिएटर की दिग्गज कलाकार विजया मेहता का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। लंबे समय से बीमार रहने के बाद 30 जून 2026 की रात करीब 10 से 10:30 बजे के बीच उन्होंने आखिरी सांस ली।

भारतीय थिएटर की दमदार आवाजों में से एक विजया मेहता अपने पीछे एक शानदार विरासत छोड़ गई, जो कई पीढ़ियों के अभिनेताओं, निर्देशकों और थिएटर कलाकारों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

अनुपम खेर ने विजया मेहता को दी श्रद्धांजलि..

सोशल मीडिया पर एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए, अनुपम खेर ने विजया मेहता की मौत पर दुख जताते हुए लिखाः

'विजया मेहता - एक महान हस्ती! **Vijaya Mehta** के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। भारत की बेहतरीन थिएटर हस्तियों में से एक, एक शानदार फिल्ममेकर और सबसे बढ़कर, एक बेहतरीन इंसान। मुझे 'राव साहब' और 'पेस्टोनजी' में विजया बाई के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। तब तक मैं कुछ फिल्में कर चुका था और सोचता था कि मुझे एक्टिंग के बारे में कुछ समझ है, लेकिन उनके साथ हुई हर रिहर्सल ने मुझे याद दिलाया कि इस कला का सागर कितना विशाल है। उनकी समझदारी, इंसानी व्यवहार की उनकी परख और उनकी असाधारण संवेदनशीलता के सामने, मैं खुशी-खुशी फिर से एक स्टूडेंट बन गया। उन्होंने कभी अपना ज्ञान थोपा नहीं, बल्कि उसे रोशन किया। उन्होंने कभी अपनी आवाज़ ऊंची नहीं की, बल्कि आपके स्टैंडर्ड को ऊंचा उठाया। उनका अनुशासन शालीनता से अपनापन विनम्रता से और उनकी काबिलियत सादगी से झलकती थी। मौत की सबसे क्रूर बात यह है कि खबर सुनते ही कुछ ही पलों में हमें उस इंसान के बारे में 'पास्ट टेंस' में बात करनी पड़ती है, जिसे हम प्यार करते हैं। दिमाग को जो बात पता चलती है, उसे दिल को मानने में बहुत ज्यादा समय लगता है। विजया बाई, आपकी दरियादिली, आपके प्यार, आपके मार्गदर्शन और हममें से बहुतों को यह याद दिलाने के लिए धन्यवाद कि एक्टिंग सिर्फ परफॉर्म करना नहीं है, बल्कि जिंदगी को समझना है। आप उन अनगिनत एक्टर्स, डायरेक्टर्स और स्टूडेंट्स के बीच हमेशा मौजूद रहेंगी, जिनकी जिंदगी को आपने छुआ। ओम शांति।'

विजया मेहता कौन हैं?..

भारतीय थिएटर और पैरेलल सिनेमा की जानी-मानी हस्ती विजया मेहता ने स्टेज और स्क्रीन पर एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि डायरेक्टर के तौर पर शानदार करियर बनाया। वह मशहूर नाटककार विजय तेंदुलकर, एक्टर अरविंद देशपांडे और श्रीराम लागू के साथ मुंबई के 'रंगायन' थिएटर ग्रुप की संस्थापक सदस्यों में से एक थीं। विजया मेहता ने दिल्ली में इब्राहिम अल्काजी और मुंबई में आदि मर्जबान जैसे मशहूर गुरुओं से थिएटर की ट्रेनिंग ली, जिससे उनके उस करियर की नींव पड़ी जिसे बहुत तारीफ मिली।

विजया मेहता ने अपने नाम किए कई अवॉर्ड..

थिएटर डायरेक्शन में उनके योगदान के लिए उन्हें 1975 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। बाद में उन्हें 'राव साहब' (1986) में अपनी एक्टिंग के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। वह 'प्रेस्टनजी' और 'राव साहेब' जैसी फिल्मों की डायरेक्टर थीं।

जो रूट की सत्ता हो गई समाप्त

ट्रेविस हेड बने टेस्ट के नंबर वन बल्लेबाज..

डेस्क जगप्रेरणा।

जो रूट का वक्त अब लगता है कि धीरे धीरे समाप्त हो रहा है। वे अब टेस्ट के नंबर एक बल्लेबाज नहीं रह गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान रूट के बल्ले से ज्यादा रन नहीं निकले

और इसी के साथ उनसे नंबर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक की कुर्सी भी छिन गई है। इस बीच हैरी ब्रूक उनसे आगे निकल गए हैं, साथ ही ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने पहले नंबर पर कब्जा जमा लिया है। हालांकि टॉप 3 बल्लेबाजों के बीच रेटिंग का अंतर बहुत मामूली सा है।

ट्रेविस हेड तीन स्थानों की छलांग लगाकर बने आईसीसी के नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज..

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अब आईसीसी रैंकिंग में टेस्ट के नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक साथ दो स्थानों की छलांग लगाकर यहां पर पहुंचने में कामयाबी हासिल की है। उनकी रेटिंग इस वक्त 843 की चल रही है। इस बीच इंग्लैंड के हैरी ब्रूक दूसरे नंबर पर हैं, वे पहले भी यहीं पर थे। उनकी रेटिंग 852 की है। यानी हेड से केवल एक रेटिंग कम है।

जो रूट को बड़ा नुकसान, सीधे तीसरे नंबर पर पहुंचे..

इस बीच बड़ा उलटफेर ये हुआ है कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट नंबर एक बल्लेबाज से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

उनकी रेटिंग 840 की हो गई है। जो रूट एक साथ तीन स्थान नीचे आ गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान रूट केवल एक ही अर्धशतक लगाने में सफल हुए थे। बाकी उनके स्कोर बहुत छोटे छोटे थे। इसका खामियाजा उन्हें रैंकिंग में नीचे उतर कर झेलना पड़ रहा है।

केन विलियमसन के संन्यास के बाद रैंकिंग से भी हटा नाम..

इस बीच न्यूजीलैंड के कप्तान रहे केन विलियमसन ने अब इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है, इसलिए उनका नाम अब आईसीसी ने रैंकिंग से भी हटा दिया है, जब तक वे खेले, टॉप 5 में अपना नाम बनाए रहे।विलियमसन के बाहर होने से साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा, भारत के शुभमन गिल को एक एक स्थान का फायदा हो गया है। गिल अब छठे नंबर पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र दो स्थानों की उछाल के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस को तीन स्थानों का नुकसान हुआ है, वे नंबर 8 पर पहुंच गए हैं। यशस्वी जायसवाल भी एक स्थान के नुकसान के साथ नंबर 9 पर चले गए हैं।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

इंग्लैंड के सामने डीआर कांगो की चुनौती, यूएसए की होगी बोस्निया एंड हर्जेगोविना से राउंड ऑफ 32 में भिड़ंत...

डेस्क जगप्रेरणा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में राउंड ऑफ 32 के मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें अब तक कुल 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं और राउंड ऑफ16 के लिए सात टीमें अपनी जगह को पक्की कर चुकी हैं।

वहीं अभी 9 मुकाबले इस नॉकआउट स्टेज में खेले जाने बाकी हैं जिसको लेकर सभी फैंस की नजरें टिकी हुई हैं। एक और 2 जुलाई की सुबह तक कुल तीन मैच राउंड ऑफ 32 में होने हैं,

जिसमें सबसे ज्यादा नजरें इंग्लैंड और डीआर कांगो के बीच होने वाले मैच के अलावा मेजबान अमेरिका और बोस्निया एंड हर्जेगोविना के बीच होने वाले मैच को लेकर टिकी हुई हैं। इसके अलावा बेल्जियम और सेनेगल के बीच में भी मुकाबला खेला जाएगा।

डीआर कांगो को हल्के में लेने की गलती नहीं करेगा इंग्लैंड..

इंग्लैंड की फुटबॉल टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप-एल में जगह मिली थी जिसमें उन्होंने खेले तीन मुकाबलों में से 2 में जहां जीत दर्ज की थी तो वहीं एक मैच ड्रॉ रहा था। अब राउंड ऑफ 32 में इंग्लैंड की टीम का सामना डीआर कांगो से होगा जिन्होंने ग्रुप-ए में उज्बेकिस्तान को मात देने के अलावा तीन मैच में से एक में जीत दर्ज की, एक बराबरी पर खत्म किया और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर डीआर कांगो ने खत्म किया था। अब उनका राउंड ऑफ32 में सामना इंग्लैंड की टीम से होगा जिसमें ये मैच भारतीय समयानुसार एक जुलाई की रात 9:30 पर खेला जाएगा।

बेल्जियम का होगा सेनेगल से सामना..

राउंड ऑफ 32 में आज के दिन का दूसरा मुकाबला बेल्जियम और सेनेगल की टीम के बीच में होगा। बेल्जियम का ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें उन्होंने ग्रुप-जी में टॉप पर खत्म करते हुए नॉकआउट दौर में अपनी जगह पक्की की है। वहीं सेनेगल ग्रुप-आई में तीसरे नंबर पर खत्म किया था। ऐसे में इस मैच में बेल्जियम का पलड़ा थोड़ा भारी माना जा सकता है। दोनों टीमों के बीच में ये मैच भारतीय समयानुसार 2 जुलाई की देर रात 1:30 पर खेला जाएगा।

मेजबान अमेरिका के सामने बोस्निया एंड हर्जेगोविना की चुनौती..

ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन करने वाली मेजबान अमेरिका का राउंड ऑफ 32 में सामना बोस्निया एंड हर्जेगोविना से होगा। इस मैच में अमेरिका के खिलाड़ियों के खेल पर सभी की नजरें रहने वाली हैं, जिसमें ये मुकाबला भारतीय समयानुसार 2 जुलाई की सुबह 5:30 पर होगा।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

कही देर न हो जाए..

स्कूल फिर से खुल चुके हैं फिर पढ़ाई के लिए वही जद्दोजहद वही प्रतिस्पर्धा हर बच्चा चाहता है कि वह अपना बेस्ट दें और हर अभिभावक की भी उम्मीद होती है कि उनका बच्चा अव्वल आए।

आज की व्यस्तम दिनचर्या में कई बार हम अपने बच्चों की बातें इग्नोर कर देते हैं।

बात पिछले साल की है। मेरा छोटा बेटा स्कूल से आया हर दिन की तरह मैंने उनसे पूछा क्या हुआ आज स्कूल में मेरी रोज की आदत है कि मैं अपने दोनों बेटों से स्कूल से आते हैं तो पूछती हूं कि आज क्या हुआ। छोटे बेटे की फेस रीडिंग बता रही थी स्कूल में कुछ हुआ है जब उससे मैंने पूछा क्या हुआ तो बोलता है मम्मी मेरा एक दोस्त है उसके पापा पढ़ाई के लिए उसे बहुत टॉर्चर करते हैं, थोड़े भी नंबर कम आए तो मारते हैं।

वह मुझसे बोला मम्मी आज वह कह रहा था कि मैं कुछ कर लूंगा या कहीं चला जाऊंगा मैंने उतना माइंड नहीं किया उसे बोल दिया कि ऐसे ही बोला होगा, मैंने कहा पढ़ाई नहीं करता होगा इसलिए डांटते होंगे... तो बोलता है नहीं मम्मी वह बहुत परेशान है मुझे लगा किसी के पारिवारिक मामलों में क्या बोलना यही सोचकर इग्नोर कर दिया।

दूसरे दिन जब स्कूल से आया तब फिर से ही बातें बताने लगा मम्मी आज भी ऐसा ही बोल रहा था तब मुझे भी मामला थोड़ा गंभीर लगा मैं उसके पेरेंट्स से कभी मिली नहीं थी ना ही वह मुझे जानते थे बस बच्चों की दोस्ती है इसी वजह से नंबर सेव है पहले सोचा उसकी मम्मी से बात करूं या नहीं पता नहीं और क्या समझेंगे उनका पारिवारिक मामला है मैं कैसे बोलूं....

फिर लगा कहीं मैं बात करने में देरी न कर दूं कुछ अनहोनी ना हो जाए मैंने उसकी मम्मी को कॉल किया और सारी स्थिति बताई कि आपका बेटा ऐसी बातें कर रहा है आप उससे बात करिए जानने की कोशिश करिए कि उसके मन में क्या चल रहा है अगर पापा उसे टॉर्चर करते हैं मारते हैं तो आप उसे प्यार से समझाइए उसे इमोशनली सपोर्ट करिए उसके पापा से बात करिए आजकल के बच्चे पहले जैसे नहीं है उनमें वह सहनशक्ति सकती नहीं है। बच्चा अपना बेस्ट दे आपका बेटा तो काफी अच्छा है पढ़ने में ,यह आपका पारिवारिक मामला है फिर भी मुझे लगा कि मुझे आपको यह सब बातें बतानी चाहिए।

उसकी मम्मी बहुत भावुक एवं विचलित हो गई थी उन्होंने कहा दीदी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद आपने समय रहते मुझे यह सब बातें बताई पता नहीं क्या होता आप सही कह रहे हो मैं अपने बच्चे से बात करूंगी उस पर उसके मन में क्या चल रहा है जानने की कोशिश करूंगी।

उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि मेरे बेटे के मन में क्या चल रहा है उनकी बातों से लग रहा था कि वह खुद भी परेशान है मैंने उन्हें कहा आप चिंता मत करिए और अपने बच्चे के साथ ज्यादा समय बिताइए।

मैंने उन्हें यह भी कहा कि आप उसे यह बिल्कुल भी मत बताइए कि मेरी और आपकी बात हुई यह हो सकता है आगे वह कुणाल के साथ भी बात शेयर ना करें।

कई मामलों में ऐसा होता है कि जो बातें बच्चे घर पर नहीं बोल पाते दोस्तों से साथ शेयर करते हैं अगर कुणाल समय रहते मुझे यह सब नहीं बताता और मैं उसकी बातों को ध्यान से नहीं सुनती तो आज शायद कुछ अनहोनी हो जाती। आपके बच्चे अगर आपसे कोई भी बात शेयर करते हैं या अपने दोस्तों के बारे में बातें बताते हैं तो उसे ध्यान से सुनिए जहां गौर करना है उस पर गौर करिए आज की व्यस्तम दिनचर्या में हम अपने आसपास क्या हो रहा है देख नहीं पाते हैं ना ही कभी जरूरत महसूस करते हैं आपकी छोटी सी सजगता किसी की जिंदगी बचा सकती है। ये बात मैं इसलिए आज आप सबके साथ शेयर कर रही हूं क्योंकि कई बार हम बच्चों की बातों को अनसुना कर देते हैं या उसे गंभीरता से नहीं लेते इस बात के लिए मैं अपने बेटे कुणाल को भी शाबाशी देना चाहूंगी भले उम्र में छोटा है पर उसने इस बात की गंभीरता को समझा और यह बात मुझे बताई अगर वह बात मुझसे नहीं बताता तो अभी तक कोई अनहोनी हो गई होती।। जरुरी नहीं कि आपका बच्चा ऑफिसर ही बने या हर बार अव्वल आए।

पढ़ने दो उसे और देखने दो सपने सारे जहां के...

अपने रास्ते भी खुद ही ढूंढेगा और
मंजिल भी खुद ही तय करेगा...
बस तुम थामना उसका हाथ
जब लड़खड़ाए उसके कदम
संभालना उसे उस वक्त
जब कम होने लगे उसका मनोबल।।

लेखिका

अनुराधा देशमुख
भैंसदेही मध्यप्रदेश

कवि हो न तुम..

कवि हो ना तुम
तो लिखो ना
देश की व्यथा
जुल्मों की कथा
मंदी की मार
खत्म होते रोजगार
कमीशन की कहानी
बाढ़ का पानी
हिंसा की घटनाएं
दलितों पर यातनाएं
धर्म के नाम अधर्म
संतों के नीच कर्म
बच्ची से बलात्कार
नारी की चीख पुकार
शिक्षा का होता धंधा
कानून बहरा अंधा
दफ्तरों का बाजार
चिकित्सा का व्यापार
नेताओं की कांव कांव
कोर्ट का मोलभाव
खेतो मे मरता किसान
सीमा पर उपेक्षित जवान
आखिर क्यूं नही
दिखाई देते तुम्हे
देश के
नाजुक हालात
की है कोई और बात
अरे सत्तापक्ष के गुलामो
दूम हिलाना बंद करो
आ जाये क्रांति समाज मे
ऐसा कुछ प्रबंध करो।

लेखक

संतोष सिंह नैकाने,
गोंदिया महाराष्ट्र

रखना है..

दिल में कोई अरमान रखना है ,
हो दर्द भी तो मुस्कान रखना है।

मर जाएंगे अपने वतन के लिए।
हिन्दोस्तां की मगर
शान रखना है।।

धर्म अपना रहे, सदा इंसानियत।
इक अपनी अलग
पहचान रखना है।।

माँ से मिला हमे यही संस्कार है।
बड़ो का बुजुर्गों का
सम्मान रखना है।।

चलेंगे सदा हम, अमन के रास्ते।
कदम के ऐसे निशान रखना है।।

लेखक

किशोर छिपेश्वर
'सागर', बालाघाट

चाटूकारिता के लिए भी घमासान है..

चाटूकारिता के लिए भी घमासान है,
किसे कहूँ इंसान किसे कहूँ शैतान है।

नेता सारे यहाँ करते रहते सैर सपाटा,
बात बात में लंका औ पाकिस्तान है।

वर्तमान की बात यहाँ कोई करते नहीं,
बस गड़े मुर्दे उखाड़ना समझे शान है।

गलत जिसने भी किया भारत देश का,
आओ मिल के मिटा दे नामोनिशान है।

जो बुरी नजर रख्खेगा भारत की तरफ,
उसकी निकाल लेंगे उजाला हम जान है।

अनिल कसेर 'उजाला'

दशा महा दशा

जहाँ दम,वहाँ हम।
यह चरित्रार्थ है।
कुछ स्वार्थवश जुड़ते है।
काम हुआ चलते बनिए।
उन्हें दूसरों की
चिन्ता नहीं रहती।
स्वयं की रहती प्रसिद्ध चाहिए।
आज कल तो।
समारोह औपचारिक रह गए।
फोटोग्राफखिंचाई और भेज दी।
गाना गा लीजिए।
फिर ताली बजा लीजिए।
हो गई इतिश्री।
आयोजक की सामने।
तारीफकीजिए।
पीछे जाकर तबीयत से।
बुराई कीजिए।
इसी में समय पास हो रहा।
जब प्रतिदिन के कर्म ऐसे।
कहा फल प्राप्त होगा।
इंसान हो तो
इंसानियत से रहिए?

लेखक

आचार्य डॉ. वीरेन्द्र सिंह गहरवार 'वीर'

शब्दवर्गपहेली क्र.- 209

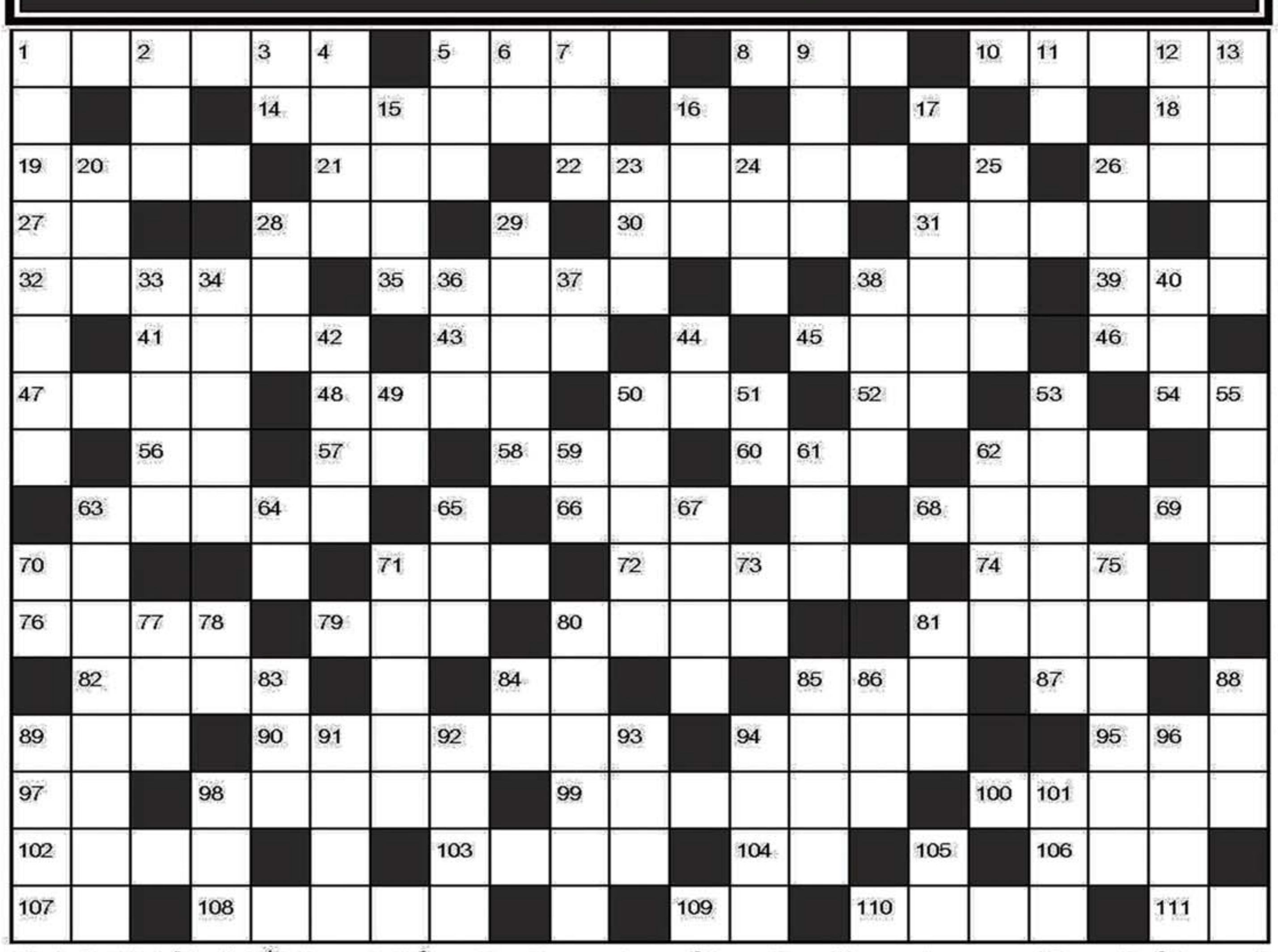

ck;i ls nk;i & 1) क्रोध करना अर्थवाला एक मुहावरा 5) दया दिखाना 8) वराह 10) एक मुगल सम्राट 14) ऊंची बोली लगानेवाले को अपना माल बेचना 17) गर्म हवा का झोंका जिससे आदमी को बुखार आ जाता है 18) सीमा 19) अध्याय 21) फिलीस्तान की एक जाति 22) हनुमानजी 26) जंगल 27) पति या पत्नी की मां 28) भंड़ार, खजाना 30) असहनीय 31) ऐसा झगड़ा जिसमें हाथ या शस्त्र चले 32) वास्तव में 35) घूप, क्रोध आदि के कारण चेहरा लाल होना 38) चांवल का विशिष्ट प्रकार से बनाया हुआ एक व्यंजन या किस्म 39) दीन 41) श्रेष्ठ आसन, सिंहासन 43) जलकण, बूंद 45) चमत्कार 46) फलों से निकलनेवाला मधुर रस 47) मकबरा 48) उपवास, भोजन न करना 50) सम्मिलित 52) किसी वस्तु का नीचे का भाग 54) किश्ती 56) शहद (अं.) 57) हज करके आया हुआ व्यक्ति 58) अपवित्र 60) बगीचा 62) घना, गंभीर 63) विनम्र 66) पापी लोगों का मृत्यु पश्चात यातना झेलने का स्थान 68) उतावला, चालाक 69) गौ 70) वर्तमान दिन 71) समाचार 72) जैन धर्म के एक तीर्थंकर 74) सौगंध 76) पैर पोंछने के लिए दरवाजे के पास रखा हुआ सन का चौकोर टुकड़ा 79) दूरी, फरक 80) अधम, नीच, बड़ा पापी 81) किसी व्यक्ति कोजबरदस्ती उठा ले जाने की क्रिया 82) मौका 84) सेना , मोर्चा, चढ़ाई 85) विरोधी पक्ष 87) ...... पथ, सराबोर 89) पीयुष 90) राजकपूर की इस फिल्म में धर्मेन्द्र भी थे 94) रुचिकर होने का भाव 95) आराम, सुख 97) पत्ता, पतन 98) खींचतान 99) पचाना 100) मन को हरनेवाला 102) कैद, नजरबन्दी 103) भारत का एक संघ राज्य 104) पुलीस की चौकी 106) ओडिशा का एक प्रमुख शहर 107) न्यायाधीश (अं.) 108) व्ही. शांताराम द्वारा स्थापित फिल्म निर्माण कंपनी का नाम 109) जाति 110) राजस्थान का एक प्रमुख पहाड़ 111) दलील

Åij ls uhps & 1) बिहार राज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री 2) मायका 3) होनेवाली घटना 4) अयोग्य, एक गाली 5) तुरंत दी जानेवाली धन राशि 6) दिन, आक्रमण 7) महोदय 9) एक मुगल सम्राट 11) स्वर्गलोक की एक अप्सरा 12) बुद्धि, दिमाग 13) दुर्भाग्यशाली 15) 'मुहूर्त' का बोलचाल में प्रयुक्त रुप 16) लहर 20) कमी, न्यूनता 23) स्त्री 24) खिड़की, झरोखा 25) इंद्रदेव का हाथी 26) शिल्पकार 28) सुस्ती 29) पराजित करना 31) अत्यंत धनी 33) घुसना, पानी में घुसकर स्नान करना 34) प्रशंसनीय 36) जीवनदाता 37) पीट 38) बहुत पुराना 40) क्रोध करना 42) नाना का घर 44) पार्वती 49) सहमत 50) एक किस्म का छोटे आकार का सफेद चौकोर मिष्टान्न 51) केश, बृहस्पति 53) धूमधाम, रौनक 55) चयन के समय किसी व्यक्ति को औरों की तुलना में दी जानेवाली अधिक प्रमुखता 59) पर्ण, पीना 61) मंथन करना 62) बातचीत 63) एक पुराने विश्वप्रसिद्ध भारतीय टेनिस खिलाड़ी 64) ठंड़ 65) आसमान 67) मेखला 70) अपनी सत्ता, सुधबंध 71) जोखिमभरा 73) समान, 'विषम' का विरुद्धार्थी शब्द 75) थरथर कापने की क्रिया 77) भोज 78) नाड़ी 80) कृतघ्न 81) पूजा में प्रयुक्त किया जानेवाला चावल 83) विष्णु का नाम 84) पुराना दूरदर्शन धारावाहिक 'बुनियाद' में अनिता कंवर का नाम 85) विचरण करना 86) परिपक्व होना 88) पति की दूसरी बीवी 89) लंगड़ा – लूला 91) श्रीरामजीने वनवास में प्रवास करते समय महाराष्ट्र के विदर्भ में स्थित इस गांव में कुछ देर विश्राम किया था 92) तल्लीन 93) चांदी 94) रोकने और फिरसे न होने देने की क्रिया 96) एतराज 98) बुंद, टुकड़ा 101) बनावटी 105) अधिकारियों का सरकारी कार्यालय के काम के निमित्त दूसरे स्थानी का भ्रमण (जवाब अगले अंक में)●

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

प	ट	रा	नी		अ	न	जा	न		अं	ज	नी	सु	त		आ	का	श		च
क्ष	मा		र	जा	मं	द		ग	र	द	न		झा	र	खं	ड	मु	क्ति	मो	र्चा
पा	ट	ना		ना	ग		अ	र	ह	र		दे	व		जी		क		ह	क
त	र	का	री		ल	प	ल	पा	ना		म	हा		न	र	क		शं	क	र
क		म	ढ	ना		स	क	ल		ग	ज	व	द	न		द	वा	त		ना
र	मै	या		फ	न		नं		नौ		मू	सा		द	वा		द	नु	ज	
ना	य	ब	त	ह	सी	ल	दा	र		म	न	न			त	ला	क		ग	श
	त			म	ह	ल		स	त	ह			पा	रा		भ		व	जी	र
स्वा		व	ध		त	का	जा		ह	ल	च	ल		ज	या	प्र	दा		व	
द	म		रा	मो		र	न	वा	स		प	ल	ट	ना		द		ज	न	क
	हा	र		ह	वा		दा	ल	न	ग	ल	ना		रा	त		ब	ल	रा	म
रा	ज	म	ह	ल		द	र		ह		ता		त	य	क	र	ना		म	सी
म	न			त	न	हा		ब	स	ना		स	र	ण		स	ब	क		न
दा		सा	स		ह	ड़	ता	ल		सु	र	दा	स		ज	ना	ना	प	न	
स	खी		न	ग	र		ज	वा	हि	र		शि		र	मा		या		ख	रा
	रा		द	या		सं	गी	न			आ	व	क	जा	व	क		ध	रा	वी

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा

व्यापार समाचार

● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सरकार ने व्हाट्सऐप के 'यूजरनेम फीचर' को लेकर मेटा को दिया नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब..

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने बुधवार को भारत में व्हाट्सऐप के विवादस्पद 'यूजरनेम फीचर' को लेकर मेटा को नोटिस दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक इस मुद्दे पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस 'फीचर' को पेश नहीं किया जाए। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने मेटा को 'यूजरनेम फीचर' के बारे में तीन दिन के अंदर विस्तार से जानकारी देने का भी निर्देश दिया है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने व्हाट्सऐप पर 'यूजरनेम फीचर' पेश करने को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया है। मेटा को नोटिस भेजकर पूछा गया है कि व्हाट्सऐप के प्रस्तावित 'फीचर' को लेकर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और नियमों के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए।

भारत में व्हाट्सऐप के लगभग 50 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। इस लिहाज से यह इस मंच के लिए एक अहम बाजार है।

सूत्रों ने बताया कि मेटा के स्वामित्व वाले मंच को निर्देश दिया गया है कि जब तक इस मामले पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस 'फीचर' को पेश नहीं किया जाए।

व्हाट्सऐप के नये 'यूजरनेम फीचर' को लेकर चिंता बढ़ रही है कि यह 'किसी और का रूप धारण कर' धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले को बढ़ावा दे सकता है। इसको देखते हुए प्रौद्योगिकी कंपनी को नोटिस दिया गया है।

इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि मंच को भेजे जाने वाले नोटिस में इस 'फीचर', इससे जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था और कंपनी की इसे पेश करने योजनाओं के बारे में जानकारी मांगी जाएगी। साथ ही जांच एजेंसियां भी इस मामले की जांच कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि अगर यह पाया जाता है कि इससे सार्वजनिक सुरक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है, तो अधिकारी इस 'फीचर' को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे की भी जांच करेंगे। साथ ही यह भी देखेंगे कि क्या मौजूदा कानूनों में इसके क्रियान्वयन को रोकने का प्रावधान है।

मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सऐप ने इस साल 'यूजरनेम फीचर' लाने की घोषणा की है। इससे उपयोगकर्ता अपना फोन नंबर साझा किए बिना बातचीत या चैट कर सकेंगे। व्हाट्सऐप के अनुसार, इस कदम का मकसद फोन नंबर साझा करने की जरूरत को समाप्त कर उपयोगकर्ता की खासकर समूह चैट में या नए लोगों से जुड़ते समय निजता को मजबूत करना है।

हालांकि, कई स्टार्टअप संस्थापक, साइबर सुरक्षा पेशेवर और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रस्तावित 'फीचर' को लेकर चिंता जताई है। उनका तर्क है कि अगर सही सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो इसका इस्तेमाल कंपनियों, सरकारी एजेंसियों या मशहूर हस्तियों जैसे दिखने वाले 'यूजरनेम' का उपयोग दूसरों की पहचान चुराकर धोखाधड़ी और पैसों की गड़बड़ी के लिए किया जा सकता है।

सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''सरकार को यह पक्का करना होगा कि इस 'फीचर' से कोई जोखिम न हो, क्योंकि इसे लेकर जायज चिंताएं हैं।

अगर व्हाट्सऐप का जवाब संतोषजनक नहीं रहा, तो सरकार इसके क्रियान्वयन को रोकने की कोशिश कर सकती है। सूत्रों ने कहा, ''जबतक वे इस बात का भरोसा नहीं दिलाते कि इसका दुरुपयोग नहीं होगा, तब तक आगे नहीं बढ़ सकते।'' इस बारे में व्हाट्सऐप को भेजे गए ईमेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला। अधिकारियों ने कहा कि इस फीचर से उपयोगकर्ता सरकारी एजेंसियों या नामचीन हस्तियों जैसे यूजरनेम अपना सकते हैं, जिससे किसी और का रूप धारण करने और घोटाले का खतरा बढ़ सकता है। कई स्टार्टअप संस्थापक, साइबर सुरक्षा पेशेवर और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रस्तावित 'फीचर' को लेकर चिंता जताई है। उनका तर्क है कि अगर सही सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो इसका इस्तेमाल कंपनियों, सरकारी एजेंसियों या मशहूर हस्तियों जैसे दिखने वाले यूजरनेम का इस्तेमाल दूसरों की पहचान चुराकर धोखाधड़ी और पैसों की गड़बड़ी के लिए किया जा सकता है।

पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने चेतावनी दी है कि अगर ठीक से सुरक्षा उपाय नहीं किये गये तो एक जैसे दिखने वाले यूजरनेम पहचान चुराने और घोटाले का बड़ा जरिया बन सकते हैं। नॉट डेटिंग के संस्थापक और सीईओ जसबीर सिंह ने भी सवाल उठाया कि यह मंच उपयोगकर्ता की निजता और जवाबदेही के बीच कैसे संतुलन बनाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह 'फीचर' भ्रम पैदा कर सकता है क्योंकि इससे धोखेबाजों या घोटाला करने वालों के लिए सही ब्रांड या संस्थानों से मिलते-जुलते 'यूजरनेम' लेकर असली होने का दिखावा करना आसान हो जाएगा।

रुपया 60 पैसे टूटकर 95.16 प्रति डॉलर

मुंबई, (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बुधवार को 60 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले 95.16 पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों में डॉलर इंडेक्स की मजबूती से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने,

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और शियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी के कारण डॉलर-रुपये की विनिमय दर पर दबाव देखा गया। इसके अलावा, अमेरिकी डॉलर सूचकांक के 95 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने के बाद बाजार धारणा और अधिक सतर्क हो गई।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 94.60 से 95.29 के दायरे में रहा। अंत में रुपया 95.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 60 पैसे की गिरावट है।

रुपया मंगलवार को पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.56 पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ÷रुपया लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में कमजोर हुआ। प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और सौदे को पूरा करने के लिए की गई लिवाली के कारण रुपये पर दबाव बना। इसके अलावा, एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी ने भी रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाला।÷

परमार ने कहा कि निकट अवधि में डॉलर-रुपये का हाजिर भाव 95.80 से 94.60 के दायरे में रह सकता है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.42 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72.31 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा।

घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 443.97 अंक चढ़कर 76,922.64 अंक पर जबकि निफ्टी 140.10 अंक की बढ़त के साथ 24,005.85 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बुधवार को 1,140.50 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

मानसून की अनिश्चितता के बावजूद राजस्थान के नागौर में किसानों ने मूंगफली खेती पर बड़ा दांव लगाया..

नागौर, (भाषा)।

राजस्थान के नागौर जिले के धमनिया गांव के किसान 54 वर्षीय बुधराम ने चालू खरीफसत्र में अपनी छह हेक्टेयर जमीन पर बारिश पर निर्भर तीन फसलें बोई हैं - मूंगफली, मूंग और बाजरा।

इनमें से तीन हेक्टेयर में मूंगफली, दो हेक्टेयर में मूंग और बाकी एक हेक्टेयर में बाजरा की बुवाई की गई है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई मानसून पूर्व बारिश का फायदा उठाते हुए तीनों फसलें जून में समय पर बोई गई थीं। अब, सिंचाई का कोई साधन न होने के कारण, बुधराम दक्षिण-पश्चिम मानसून के समय पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मूंगफली, जो उनकी जमीन के सबसे बड़े हिस्से पर बोई गई है, उनके द्वारा बोई गई तीनों फसलों में सबसे ज्यादा पानी की जरूरत वाली फसल भी है।

जोखिम के बावजूद, उन्होंने मूंगफली का रकबा बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने पीटीआई-भाषा को अपना तर्क समझाते हुए कहा, ''इससे दूसरी दो फसलों की तुलना में अधिक मुनाफा मिलता है, भले ही कम बारिश के कारण पैदावार कम हो जाए।''

बुधराम ने कहा, ''मूंगफली से मूंग की तुलना में अधिक कमाई होती है। एक हेक्टेयर में मुझे 10 क्विंटल पैदावार मिलती है। इसकी फसल के अवशेष (चारा और छिलके) बहुत पौष्टिक होते हैं और पशुओं के चारे के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं।'' इसकी तुलना में, मूंग की खेती कम पानी में भी हो सकती है, लेकिन अक्सर उपज काली पड़ जाती है और पैदावार पर असर पड़ता है।

इसी जिले के बालावास गांव के 50 वर्षीय सुखराम ने भी बड़े पैमाने पर ऐसा ही हिसाब-किताब किया है। इस खरीफसत्र में उन्होंने जितनी 12-13 हेक्टेयर जमीन पर बुवाई की है, उसमें से सात हेक्टेयर में मूंगफली, तीन हेक्टेयर में मूंग और दो हेक्टेयर में बाजरा और ग्वार बोया है। उन्होंने भी इस साल कमजोर मानसून की आशंका के बावजूद मूंगफली का रकबा बढ़ाने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, ''तीनों फसलों में, मूंगफली आमतौर पर बाजार में मजबूत मांग, खाद्य तेल के रूप में उच्च मूल्य और सरकारी समर्थन के कारण सबसे अधिक और स्थिर आर्थिक लाभ देती है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि मूंगफली के लिए अधिक श्रम की आवश्यकता होती है, लेकिन इसकी पैदावार अन्य फसलों की तुलना में अधिक होती है।

मूंगफली के प्रति यह प्राथमिकता केवल इन दो किसानों तक ही सीमित नहीं है। राजस्थान के कृषि आयुक्तालय में कृषि (विस्तार) के अतिरिक्त निदेशक सुरेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, ''कपास के बाद, मूंगफली राज्य की एक प्रमुख नकदी फसल है। बेहतर मुनाफ़ेके कारण, कई किसानों ने इसकी बुवाई की है।''

राज्य के आंकड़ों के अनुसार, जून के अंत तक मूंगफली की बुवाई का रकबा 23.57 प्रतिशत बढ़कर 7.13 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5.76 लाख हेक्टेयर था। गौरतलब है कि मूंगफली की ओर यह झुकाव तब देखा जा रहा है जब मूंग (ग्रीन ग्राम) का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) अधिक है। फसल वर्ष 2026-27 (जुलाई-जून) के लिए, मूंगफली का एमएसपी 7,517 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जबकि मूंग का एमएसपी 8,780 रुपये प्रति क्विंटल और बाजरे का एमएसपी 2,900 रुपये प्रति क्विंटल है।

इससे पता चलता है कि किसान फसल के तरीके का निर्णय लेते समय केवल एमएसपी के बजाय बाज़ार की कुल मांग और मुनाफ़े पर विचार कर रहे हैं। शेखावत ने कहा, ''दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी यहां नहीं पहुंचा है। अगले दस दिन राज्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं।'' फ़िलहाल, बुधराम और सुखराम जैसे किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं, क्योंकि वे पहले ही मूंगफली की खेती का दांव खेल चुके हैं।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 14,115 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंत्रिमंडल की मंजूरी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को दिल्ली और उत्तर प्रदेश की कुल 14,115 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं को बताया कि दिल्ली

में एनएच-148ई पर द्वारका एक्सप्रेसवे को वसंत कुंज स्थित नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ने वाली छह लेन वाली सुरंग (टनल) के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के पांच साल में पूरा होने की उम्मीद है। यह परियोजना 8.1 किलोमीटर लंबी है, जिसकी कुल अनुमानित लागत 6,969.67 करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इसके अलावा उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर कानपुर-कबरई खंड के 117.7 किलोमीटर लंबे चार/छह लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड (नियंत्रित पहुंच) मार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत 7,145.14 करोड़ रुपये है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, द्वारका एक्सप्रेसवे को वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ने वाली छह लेन वाली सड़क सुरंग परियोजना यूईआर 2/द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज से जोड़कर पश्चिम और दक्षिण दिल्ली के बीच संपर्क को तेज करेगी।

बयान में कहा गया है कि इससे गुरुग्राम, द्वारका, दिल्ली हवाई अड्डे और पश्चिमी दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली की ओर जाने वाले यातायात में आसानी होगी। सुरंग का 1.98 किलोमीटर लंबा हिस्सा दक्षिणी रिज वन क्षेत्र के नीचे से गुज़रेगा।

बयान में कहा गया है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से महिपालपुर के बीच एक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

यह लिंक सुरंग को बारापुला एलिवेटेड रोड से जोड़ेगा, जिससे पश्चिम दिल्ली और दक्षिण दिल्ली से पूर्वी दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा का संपर्क बेहतर हो जाएगा। एक अलग आधिकारिक बयान के अनुसार, एनएच-34 पर कानपुर-कबरई खंड में चार/छह-लेन वाले एक्सेस-कंट्रोल्ड राजमार्ग परियोजना के निर्माण, एनएच (ओ) प्रोग्राम के तहत भोपाल-कानपुर आर्थिक गलियारे का एक अहम हिस्सा होगा।

इस परियोजना से कानपुर और कबरई के बीच बिना रुकावट तेज़ी से संपर्क की सुविधा मिलेगी। साथ ही, सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के दूसरे इलाकों के लिए भी संपर्क बेहतर होगा।

दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2026 अधिसूचित की..

नई दिल्ली, (भाषा)।

दिल्ली सरकार ने बुधवार को 'दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026' अधिसूचित कर दिया है। इस नीति का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को तेजी से अपनाना, हवा की गुणवत्ता में सुधार करना और इलेक्ट्रिक परिवहन के लिए एक सहायक तंत्र तैयार करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली मंत्रिमंडल ने सोमवार को ईवी नीति को मंजूरी दी थी, जिसके बाद इसे अंतिम मंजूरी के लिए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के पास भेजा गया था।

अधिसूचना में कहा गया, ''...मोटर वाहन अधिनियम, 1988 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एक जुलाई, 2026 से प्रभावी दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2026 अधिसूचित करते हैं।''

दिल्ली सरकार ने नई ईवी नीति के तहत राष्ट्रीय राजधानी में 30 लाख रुपये या उससे कम शोरूम कीमत वाली सभी पंजीकृत इलेक्ट्रिक कारों को सड़क कर तथा पंजीकरण शुल्क में पूर्ण छूट देने की घोषणा की है। इसके अलावा, एक जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक तिपहिया का ही पंजीकरण किया जाएगा। वहीं, नए पेट्रोल और सीएनजी दोपहिया वाहनों का पंजीकरण चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा और एक अप्रैल, 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा। नई नीति के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वालों को पहले वर्ष 30,000 रुपये, दूसरे वर्ष 20,000 रुपये और तीसरे वर्ष 10,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷नई ईवी नीति बैटरी पुनर्चक्रण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को भी महत्व देती है। पर्यावरण विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि सभी वाहन विनिर्माता और संबंधित संस्थाएं बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन करें।÷

उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत बैटरी संग्रह केंद्र विकसित करेगी और पुरानी बैटरियों के सुरक्षित संग्रह, भंडारण, परिवहन और अधिकृत पुनर्चक्रण इकाइयों को हस्तांतरण के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) अधिसूचित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई ईवी नीति स्वच्छ हवा, आधुनिक परिवहन, ऊर्जा संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। राज्य सरकार इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने और वाहनों के प्रदूषण को कम करने के लिए अगले चार साल में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, और राष्ट्रीय राजधानी में 30,000 से अधिक ईवी चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए जाएंगे। गुप्ता ने एक बयान में कहा, ÷वित्तीय प्रोत्साहनों, एक मजबूत चार्जिंग नेटवर्क, संस्थागत निरीक्षण, डिजिटल पारदर्शिता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से, यह नीति दिल्ली को देश में इलेक्ट्रिक परिवहन के लिए एक अग्रणी मॉडल के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और नागरिकों को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली प्रदान करने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।÷

नई ईवी नीति में दिए गए विवरण के अनुसार, दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों को आवेदन करने के 60 दिन के भीतर सब्सिडी मिल जाएगी। इनमें 2.25 लाख रुपये तक की कीमत वाले दोपहिया वाहन शामिल हैं।

सरकार राशन की दुकानों से वितरण वाले चावल की गुणवत्ता में करेगी सुधार

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने बुधवार को राशन की दुकानों के जरिये 80 करोड़ से अधिक लोगों को वितरित किए जाने वाले चावल की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का फैसला किया।

इसके लिए कुल आपूर्ति में टूटे हुए चावल की मात्रा को कम किया जाएगा। केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राशन की दुकानों से आपूर्ति किये जाने वाले चावल में टूटे हुए चावल की सीमा को कम करने का फैसला किया है। कच्चे चावल के लिए, यह सीमा 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दी गई है। उसना चावल के लिए, इसे 16 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, मंत्रिमंडल ने भारत की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक और बड़ा बदलाव लाने वाला फैसला लिया है। उन्होंने कहा, ''लगभग तीन दशक में पहली बार, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत बांटे जाने वाले चावल की गुणवत्ता मानकों को बेहतर बनाया गया है।'' जोशी ने कहा कि इससे 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सम्मान के साथ बेहतर गुणवत्ता वाला भोजन मिलना सुनिश्चित होगा। जोशी ने कहा कि यह ''महत्वपूर्ण सुधार सरकार की बेहतर गुणवत्ता उपलब्ध कराने, अनाज के हर दाने का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने, खाद्य पदार्थों की आवाजाही की पूरी जानकारी के जरिये पारदर्शिता बढ़ाने और समझदारी से लागत को सही करके कार्यक्षमता में सुधार करने की प्रतिबद्धताओं को दर्शाता है।''

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत, सरकार हर व्यक्ति को हर महीने पांच किलो अनाज (चावल और गेहूं) मुफ्त देती है। अंत्योदय अन्न योजना श्रेणी में आने वाले परिवारों को हर महीने 35 किलो अनाज मिलता है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

परिक्षेत्र सहायक ज्ञानीराम गोटाफोड़े के से. नि. पर दी भावभीनी बिदाई..

वन विभाग को दी 44 वर्ष की सेवाएं..

जगप्रेरणा लांजी।

वन विभाग की सेवा में पूरे 44 वर्षो तक ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का परिचय देने वाले परिक्षेत्र सहायक ज्ञानीराम गोटाफोड़े 30 जून

को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह आत्मीयता, सम्मान और भावनाओं से सराबोर रहा। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, इष्ट-मित्रों, रिश्तेदारों और परिजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्री गोटाफोड़े के दीर्घ सेवाकाल को यादगार बनाया। समारोह के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री गोटाफोड़े का पुष्पगुच्छ, स्मृति-चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई, जहां सभी ने उनके साथ बिताए वर्षों की यादों को साझा करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की। श्री ज्ञानीराम गोटाफोड़े का वन विभाग का सफर वर्ष 1984 में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में शुरू हुआ। लगभग 17 वर्षो तक उन्होंने इसी रूप में अपनी सेवाएं दीं। उनकी लगन, मेहनत और कार्यकुशलता को देखते हुए 10 मई 1999 को उन्हें नियमित रूप से वनरक्षक पद पर नियुक्ति मिली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपनी कार्यशैली से विभाग में एक अलग पहचान बनाई। उनकी पहली नियमित पदस्थापना उत्तर सामान्य वन परिक्षेत्र बैहर में हुई। इसके बाद उन्होंने दक्षिण सामान्य लौगूर बीट, पूर्व सामान्य वन परिक्षेत्र लांजी सहित विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2014 में उन्हें वनपाल पद पर पदोन्नत किया गया। वर्ष 2021 में उनका स्थानांतरण सामान्य वन परिक्षेत्र कटंगी के गोरेघाट परिक्षेत्र सहायक के रूप में हुआ। वर्ष 2025 में वे पुनः पूर्व सामान्य वन परिक्षेत्र लांजी लौटे और 30 जून 2026 तक अपनी सेवाएं देते हुए सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। करीब साढ़े चार दशक के सेवाकाल में श्री गोटाफोड़े ने वन संरक्षण, विभागीय अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की ऐसी मिसाल पेश की, जिसे विभाग लंबे समय तक याद रखेगा। उनके शांत, सरल और सहयोगी स्वभाव के कारण वे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समान रूप से लोकप्रिय रहे। अपने संबोधन में श्री ज्ञानीराम गोटाफोड़े ने कहा कि वन विभाग उनके लिए केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि परिवार रहा है। यहां मिले सहयोग, स्नेह और विश्वास को वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि सेवा से भले ही आज विदा ले रहे हैं, लेकिन वन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमेशा बनी रहेगी तथा वे विभाग की निरंतर प्रगति और उन्नति की कामना करते रहेंगे। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें स्वस्थ, सुखद और आनंदमय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं देते हुए भावभीनी विदाई दी।

नहीं सुधारी गई स्टेट बैंक के सामने की पार्किंग व्यवस्था, शासन प्रशासन को बड़ी घटना का इंतजार

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी भिलाई मार्ग पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा लांजी के पार्किंग स्थल को लेकर लगातार शिकायतों का दौर प्रारंभ है। उपभोक्ताओं की बढती भीड़ और सडको पर वाहनो का जाम लगना

अब आम बात हो गई है क्योंकि बैंक के सामने पार्किंग को लेकर कोई व्यवस्था नही है। सवाल यह उठता है कि वर्तमान में जिस स्थान पर एसबीआई शाखा संचालित है वह भवन पूर्ण रूप से कमर्शियल व्यवसायिक उपयोग में नजर आता है। सबसे महत्वपूर्ण भारतीय स्टेट बैंक लांजी शाखा संचालित है। भारतीय डाक घर संचालित है। भवन के उपरी भाग में अन्यत्र कार्यालय एवं निवास स्थित है। वहीं यह भी माना जा रहा है कि भवन की अनुमति के समय जिस स्थान पर पार्किंग दर्शाइ गई है वहां भवन मालिक के द्वारा व्यवसायिक प्रतिष्ठान बनाये गये है जिनका भी मोटा किराया वसूला जाता है। सिर्फ उपभोक्ताओं के पार्किंग के लिये कोई व्यवस्था इस स्थल पर नही है।

बैंक प्रबंधन ने सूचना बोर्ड टांग कर क्या अपना पलड़ा झाड़ लिया..

नगर परिषद ने बैरिकेड लगा दिए......बैंक प्रबंधन ने सडक़ किनारे एक सूचना बोर्ड टांग दिया कि 'वाहन रोड पर खड़े न करें' लेकिन सवाल यह है कि जब पार्किंग की व्यवस्था ही नहीं है तो वाहन आखिर खड़े कहां हों? यही वह सवाल है जो वर्षों से लांजी के नागरिक पूछ रहे हैं, मगर जवाब देने की बजाय जिम्मेदारों में मानो जिम्मेदारी से बचने की होड़ में लगी हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लांजी शाखा के सामने आज भी सडक़ 'पार्किंग स्थल' बनी हुई है और नगर परिषद की कार्रवाई बैरिकेड, नोटिस और चालान से आगे नहीं बढ़ पा रही। लांजी-भिलाई मुख्य मार्ग पर स्थित यह बैंक नगर के सबसे व्यस्तम क्षेत्र में है। इसी मार्ग पर बस स्टैंड, विद्यालय, व्यापारिक प्रतिष्ठान और दिनभर भारी यातायात रहता है। इसके बावजूद बैंक के सामने सडक़ तक फैली दोपहिया और चारपहिया वाहनों की कतारें रोज दुर्घटना को न्योता देती दिखाई देती हैं। तस्वीरें स्वयं गवाही दे रही हैं कि हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। सबसे गंभीर सवाल उस भवन को लेकर उठ रहे हैं जिसमें बैंक संचालित हो रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि भवन मालिक ने बैंक को भवन किराए पर देते समय प्रस्तुत नक्शे में पार्किंग के लिए स्थान दर्शाया था, लेकिन बाद में उसी स्थान पर एटीएम और अन्य व्यावसायिक उपयोग के लिए कमरे विकसित कर दिए गए। यदि यह तथ्य अभिलेखों से सही सिद्ध होता है तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय भी बन जाता है। गौरतलब है कि सेंट्रल बैंक और महाराष्ट्र बैंक के सामने भी पार्किंग व्यवस्था को लेकर कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनी हुई है, लेकिन स्टेट बैंक के सामने का दृश्य सबसे अधिक चिंताजनक है क्योंकि यहां ग्राहकों की संख्या और यातायात का दबाव दोनों सबसे अधिक हैं।

जानकारी अनुसार इस संबंध में समय-समय पर नगर परिषद को शिकायतें दी गई, लेकिन परिषद ने केवल नोटिस जारी कर और चालान काटकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली। जबकि यदि सार्वजनिक भूमि या स्वीकृ त पार्किंग क्षेत्र पर अतिक्रमण हुआ है, तो नियमानुसार उसे हटाना भी संबंधित निकाय का दायित्व है। यही वह बिंदु है जिस पर नगर परिषद की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। बैंक प्रबंधन की भूमिका भी कम सवालों के घेरे में नहीं है। बैंक परिसर के बाहर लगा बोर्ड यह जरूर कहता है कि सडक़ पर वाहन खड़े न करें, लेकिन ग्राहकों के लिए वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था आखिर किसने करनी थी? क्या केवल सूचना बोर्ड लगा देने से बैंक की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? यदि बैंक प्रतिदिन सैकड़ों ग्राहकों को सेवा दे रहा है, तो उनके वाहनों के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना भी व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए। वहीं बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड भी केवल बैंक के प्रवेश द्वार तक सीमित दिखाई देते हैं। सडक़ पर फैलती अव्यवस्था और अनियंत्रित पार्किंग को लेकर किसी प्रकार का समन्वय या व्यवस्था नजर नहीं आती।

रानी अवंतीबाई विधालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम संपन्न

तिलक वंदन कर हुआ विद्यार्थियों का स्वागत..

जगप्रेरणा लांजी।

स्थानीय शाला वीरांगना रानी अवंतीबाई पब्लिक स्कूल, लाँजी में 1 जुलाई 2026 को नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर 'प्रवेशोत्सव' का भव्य कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाला के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात, विद्यालय की परंपरा के अनुसार नन्हे-मुन्ने बच्चों का स्वागत मुख्य द्वार पर रिबन काटकर, कुमकुम एवं का तिलक लगाकर किया गया।

प्रथम बार विद्यालय आए बच्चों के चेहरों पर इस आत्मीय स्वागत से अनूठी मुस्कान बिखर गई। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले ने अपने प्रेरणादायी उद्‌बोधन में कहा कि नया शैक्षणिक सत्र विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का एक स्वर्णिम अवसर है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन को गढ़ने का माध्यम है।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को नियमित अध्ययन करने, कड़े अनुशासन का पालन करने और अटूट आत्मविश्वास के साथ जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों का मुँह मीठा कराने के लिए मिठाई वितरित की गई।

इस गरिमामयी कार्यक्रम को ब्फल और स्मरणीय बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं—कुमारी पूनम नेवारे, श्रीमती दमयंती राणे, कुमारी दीक्षा कुशले, झनकार कुशले, कुमारी रिया भोण्डेकर, श्रीमती काजल सातपुते, श्रीमती आँचल किरमे एवं श्रीमती सरिता नेवारे आदि का सराहनीय एवं विशेष योगदान रहा।

स्वास्थ विभाग में 42 वर्षों की सेवा देकर से. नि. प्रमिला गौतम को दी भावभीनी बिदाई..

डीजे रैली के साथ पंहुची घर,जगह जगह हुआ स्वागत..

जगप्रेरणा लांजी।

स्वास्थ्य विभाग में सेवा, समर्पण और ईमानदारी की मिसाल रहीं श्रीमती प्रमिला मुन्नालाल गौतम (लेडी हेल्थ विजिटर) 30 जून 2026 को 42 वर्षो की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गईं।

उनकी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में 1 जुलाई को परिवारजनों, स्वास्थ्य विभाग लांजी के अधिकारियों-कर्मचारियों, नगरवासियों एवं पूर्व सैनिक कल्याण संगठन द्वारा भव्य सम्मान समारोह एवं स्वागत रैली का आयोजन किया गया। नगर भ्रमण के दौरान अनेक स्थानों पर उनका पुष्पवर्षा और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया।

श्रीमती गौतम ने 12 मार्च 1984 को स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं प्रारंभ की थीं। चार दशक से अधिक के सेवाकाल में उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार कल्याण तथा जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे अपनी कार्यकुशलता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशील कार्यशैली के लिए पूरे विभाग में सम्मानित रहीं। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली को नई मजबूती मिली।

सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कहा कि श्रीमती प्रमिला गौतम ने अपने पूरे सेवाकाल में जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने उत्कृष्ट कार्यों से विभाग की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने कभी अपने कर्तव्यों से समझौता नहीं किया और अपने सरल, सौम्य एवं सहयोगी स्वभाव से सहकर्मियों और आमजन के बीच विशेष पहचान बनाई।

नई पीढ़ी के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उनका सेवाभाव और कार्य संस्कृति सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगी। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने श्रीमती गौतम के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके 42 वर्षों के अमूल्य योगदान को स्वास्थ्य विभाग की गौरवशाली धरोहर बताया।

प्रधानपाठक अरुणेंद्र दुरुगकर के सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार ने दी भावभीनी बिदाई, विद्यार्थी हुए भावुक..

जगप्रेरणा लांजी।

शिक्षा के क्षेत्र में चार दशक से अधिक समय तक समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी के साथ सेवाएं देने वाले एकीकृत माध्यमिक शाला चिलोरा के प्रधानपाठक ए.के. दुरूगकर 43 वर्ष 6 माह की

गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर 30 जून 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देकर उनके उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया। विद्यालय परिसर में आयोजित विदाई समारोह में छात्र-छात्राओं ने अपने प्रिय प्रधानपाठक के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम का वातावरण भावुकता और आत्मीयता से सराबोर रहा। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ रसोइया तथा भूतपूर्व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षक टी.सी. नारनौरे, विवेक खोंगल, मनोज मोरघड़े, श्रीमती दीपिका पटले, श्रीमती जशोदा लिल्हारे सहित रसोईया श्रीमती सीमा बाई, रमोलाबाई, कांताबाई एवं सोनाबाई उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय संचालन शिक्षक विवेक खोंगल ने किया। अपने विदाई उद्‌बोधन में श्री दुरूगकर ने कहा कि उन्होंने 24 जनवरी 1983 को प्राथमिक शाला छपला से अपनी शासकीय सेवा का शुभारंभ किया था। इसके बाद उन्होंने हायर सेकेंडरी स्कूल मंडई, माध्यमिक शाला पिपरिया, खेल परिसर बैहर, हायर सेकेंडरी बैहर, प्राथमिक शाला मंजीटोला (कान्हा रेंज), तुमड़ीभाट बैहर तथा अंततः एकीकृत माध्यमिक शाला चिलोरा में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि अपने पूरे सेवाकाल में उन्होंने सदैव कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी। शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया, जिसका परिणाम यह रहा कि उनके मार्गदर्शन में पढ़ने वाले अनेक विद्यार्थी शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर आज विभिन्न शासकीय सेवाओं में अपनी सफ्ल भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाकर आगे बढ़ने का संदेश भी दिया। समारोह में उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने श्री दुरूगकर के सरल व्यक्तित्व, अनुशासित कार्यशैली और विद्यार्थियों के प्रति उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार की मुक्त कंठ से सराहना की। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामनाएं करते हुए कहा कि शिक्षा जगत में उनका योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

लाडसा में होटल के सामने से मोटरसाइकिल चोरी..

लगातार चोरी लुट की घटनाएं चर्चाओं में..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी क्षेत्र के ग्राम लाड़सा स्थित बलराम मर्सकोले के होटल के सामने से एक मोटर सायकल चोरी का मामला सामने आया है जिस संबंध में पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की है।

घटना के सबंध में प्रार्थी ने बताया कि थाना लांजी क्षेत्र के ग्राम खरेंगांव मटकाटोला निवासी विलास पिता खीलचंद सहारे (26 वर्ष) की मोटरसाइकिल अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना दिनांक 30 जून 2026 की रात करीब 09 बजे की बताई जा रही है। दुसरे दिन 1 जुलाई को फरियादी विलास सहारे ने पुलिस को बताया कि उसके मंझले भाई सोमेश्वर सहारे ने बड़े भाई रितेश सहारे के नाम पर रजिस्टर्ड मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमयू 3555 से ग्राम लाड़सा चौक की ओर सामान खरीदने गए थे। इस दौरान उन्होंने मोटरसाइकिल बलराम मर्सकोले के होटल के सामने रोड किनारे खड़ी की थी। सामान खरीदकर जब मेरा भाई वापस आया तो वहां मोटरसाइकिल मौके पर नहीं मिली।

तब मेरे मंझले भाई ने फोन करके बताया कि मैने जहां मोटर सायकल रखी थी वहां नही है किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ली गई है। आसपास एवं पड़ोसी गांवों में तलाश की गई, लेकिन मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला। चोरी गई मोटरसाइकिल की कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। इसके बाद फरियादी ने थाना लांजी पहुंचकर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
लालबर्रा, बैहर, परसवाड़ा
● कनकी ● खमरिया ● जाम ● कजई ● उकवा ● मलाजखंड ● बिरसा ● लामटा ● चांगोटोला

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

गरीब परिवार से निकलकर जनसंघर्षों का चेहरा बने सौरभ लोधी, आज हजारों युवाओं, किसानों और बेरोजगारों की आवाज..

जन्मदिन विशेष : शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और ओबीसी समाज के अधिकारों की लड़ाई में बालाघाट से भोपाल तक बुलंद की आवाज, जनसंघर्षों से बनाई अलग पहचान

हितेश अजीत, जगप्रेरणा बालाघाट।

कहते हैं कि इतिहास विरासत से नहीं, संघर्ष से लिखा जाता है। बालाघाट जिले में यदि पिछले कुछ वर्षों में किसी युवा नेता ने अपने संघर्ष, जुझारूपन और जनहित के मुद्दों पर लगातार सड़क से लेकर सत्ता तक आवाज बुलंद कर अलग पहचान बनाई है,

तो उनमें ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

बेहद साधारण और गरीब परिवार से निकलकर सौरभ लोधी ने कभी अपने हालात को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने समाज की समस्याओं को अपना संघर्ष बनाया और धीरे-धीरे वे युवाओं, किसानों, बेरोजगारों और समाज के अंतिम व्यक्ति की उम्मीद बन गए, जिन्हें रोजगार चाहिए, अच्छी शिक्षा चाहिए, न्याय चाहिए और अपने अधिकार चाहिए। आज उनके जन्मदिन पर जिलेभर में उनके समर्थक, छात्र, किसान, सामाजिक कार्यकर्ता और शुभचिंतक उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

आज बालाघाट में शायद ही कोई ऐसा बड़ा जनहित का मुद्दा हो, जिस पर सौरभ लोधी ने आवाज न उठाई हो। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की मनमानी, विद्यार्थियों के एडमिशन, परीक्षा परिणामों में देरी, नर्सिंग छात्राओं के रजिस्ट्रेशन का मामला, सरकारी अस्पतालों की अव्यवस्थाएं, बेरोजगार युवाओं की समस्याएं, किसानों के मुद्दे या आम नागरिकों के अधिकार–हर विषय पर उन्होंने प्रशासन और सरकार के सामने मजबूती से लड़ाई लड़ी। कई मामलों में उनके संघर्ष के बाद विद्यार्थियों और आम लोगों को राहत भी मिली।

जब लोग हंसते थे, तब सौरभ गांव-गांव जाकर समाज को जोड़ रहे थे..

आज बालाघाट में ओबीसी महासभा एक मजबूत सामाजिक संगठन के रूप में खड़ी दिखाई देती है, लेकिन इसकी शुरुआत इतनी आसान नहीं थी। जब सौरभ लोधी संगठन से जुड़े, तब जिले में ओबीसी महासभा के साथ गिने-चुने लोग ही थे। कई लोग इस संगठन का मजाक उड़ाते थे और कहते थे कि यह कभी बड़ा नहीं बन पाएगा। लेकिन सौरभ लोधी ने आलोचनाओं और उपहास को अपनी ताकत बना लिया। उन्होंने गांव-गांव, घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया, उन्हें संविधान में मिले अधिकारों की जानकारी दी और समाज को संगठित करने का अभियान शुरू किया। एक-एक व्यक्ति को जोड़ते-जोड़ते उन्होंने ऐसा जनसंपर्क खड़ा किया कि आज जिले के लगभग हर गांव में ओबीसी महासभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सक्रिय हैं। आज संगठन किसी पहचान का मोहताज नहीं है। यह विस्तार सौरभ लोधी के दृढ़ संकल्प, अथक मेहनत और लगातार किए गए जनसंपर्क का परिणाम माना जाता है।

सत्ता के सामने भी नहीं झुके..

सौरभ लोधी की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान यह रही कि उन्होंने जनहित के मुद्दों पर कभी व्यक्ति का कद नहीं देखा, बल्कि मुद्दे को प्राथमिकता दी। ओबीसी आरक्षण और समाज के अधिकारों को लेकर उन्होंने तत्कालीन मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन के निवास का भी घेराव किया। गौरीशंकर बिसेन बालाघाट और प्रदेश की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे हैं, जो कई बार विधायक, मंत्री और सांसद रह चुके हैं। इसके बावजूद सौरभ लोधी ने जनहित के मुद्दे पर सत्ता, मंत्री और प्रभावशाली नेताओं के सामने भी अपनी बात पूरी मजबूती से रखी। समर्थकों का कहना है कि उन्होंने यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि कितना भी बड़ा क्यों न हो, जनता के अधिकारों के लिए उसके दरवाजे तक जाना ही लोकतंत्र की असली ताकत है।

लाठियां भी खाईं, जेल भी गए, लेकिन पीछे नहीं हटे..

ओबीसी समाज के 27 प्रतिशत आरक्षण, ओबीसी जनगणना और संवैधानिक अधिकारों को लेकर सौरभ लोधी ने कई बड़े आंदोलनों का नेतृत्व किया। बालाघाट से लेकर भोपाल तक उन्होंने हजारों युवाओं, किसानों और बेरोजगारों के साथ रैलियां निकालीं, विधानसभा घेराव किया और सरकार तक समाज की आवाज पहुंचाई।

तपती जमीन पर संघर्ष कर बनाई पहचान..

सौरभ लोधी ने यह साबित किया कि जननेता बनने के लिए वातानुकूलित कमरों में बैठकर राजनीति नहीं, बल्कि तपती सड़कों पर जनता के साथ संघर्ष करना पड़ता है। यही कारण है कि वे कई बड़े राजनीतिक नेताओं के लिए चुनौती भी बने हुए हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता ने पारंपरिक राजनीति को भी सोचने पर मजबूर किया है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी अक्सर सुनाई देती है कि यदि भविष्य में सौरभ लोधी को संसदीय राजनीति में अवसर मिलता है, तो वे बालाघाट की मजबूत आवाज बन सकते हैं। बड़ी संख्या में समर्थक उन्हें भविष्य के सांसद के रूप में देखना चाहते हैं। हालांकि यह जनभावना है, लेकिन इतना तय है कि जनसंघर्षों ने उन्हें बालाघाट में युवाओं, किसानों, बेरोजगारों और आमजन के बीच एक अलग पहचान दिलाई है।

जनहित की इन लड़ाइयों में उन्हें पुलिस की लाठियां भी झेलनी पड़ीं, जेल भी जाना पड़ा और उनके खिलाफकई पुलिस प्रकरण भी दर्ज हुए। इसके बावजूद उन्होंने अपने संघर्ष का रास्ता नहीं छोड़ा। उनका मानना रहा कि समाज के अधिकार बिना संघर्ष के नहीं मिलते।

युवाओं, किसानों और बेरोजगारों के लिए सिर्फनेता नहीं, भरोसे का नाम..

आज बालाघाट में हजारों छात्र, किसान, बेरोजगार युवा और आम नागरिक उन्हें केवल एक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नहीं, बल्कि अपनी आवाज के रूप में देखते हैं। किसी छात्र का एडमिशन अटक जाए, परीक्षा परिणाम रुक जाए, कॉलेज मनमानी करे, किसी किसान की समस्या हो या किसी गरीब परिवार को सरकारी व्यवस्था से न्याय न मिले, तो सबसे पहले जिस नाम की चर्चा होती है, वह सौरभ लोधी का होता है। ऐसे समय में जब भीड़ जुटाने के लिए संसाधनों की जरूरत पड़ती है, वहीं सौरभ लोधी के एक आह्वान पर सैकड़ों और हजारों युवा, किसान और बेरोजगार बिना किसी लालच के आंदोलनों में शामिल हो जाते हैं। यह उनके प्रति लोगों के विश्वास और वर्षों के संघर्ष की सबसे बड़ी पहचान है।

वन परिक्षेत्र उत्तर उकवा सामान्य द्वारा उकवा रेंज ऑफिस चौक और जंगल क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

अभियान के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी महोदया, परिक्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जंगल में फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन, बोतलों तथा अन्य ठोस अपशिष्ट को एकत्रित कर उसका उचित निस्तारण किया।

इस कार्यक्रम में मैम के नेतृत्व में परिक्षेत्र के सभी आमला शामिल हुए। सभी ने हाथों में सफाई बैग और दस्ताने पहनकर जंगल में फैले कचरे को साफ किया तथा लोगों से जंगलों में प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट न फेंकने की अपील की।

वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ जंगल न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से प्रकृति संरक्षण में सहयोग करने और स्वच्छता बनाए रखने का आग्रह किया।

इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों ने 'स्वच्छ वन - सुरक्षित पर्यावरण' का संकल्प लेते हुए भविष्य में भी ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाने की बात कही। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

और रेंज ऑफिस चौक के सभी सज्जनों से अपील किया है कि चौक को सुंदर और साफबनाने में सहयोग करे और अपने आस पास के क्षेत्र को साफसुधरा एवं स्वच्छ रखे। इसी उद्देश्य को सार्थक करने चौक में एक बोर्ड भी लगाया गया।

परसवाड़ा में ब्लॉक प्रबंधक संदीप चौरसिया को दी भावभीनी विदाई..

कार्यकाल की सराहना कर उज्ज्वल भविष्य की कामना

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के परसवाड़ा ब्लॉक प्रबंधक संदीप चौरसिया के लालबर्रा ब्लॉक में स्थानांतरण होने पर गोंडवाना भवन में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सीएलएफपदाधिकारियों और

आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी। समारोह की अध्यक्षता जनपद पंचायत परसवाड़ा की उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले ने की। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण शासकीय सेवा का सामान्य हिस्सा है, लेकिन अपने कार्यों और व्यवहार से लोगों के दिलों में स्थान बनाने वाले अधिकारी हमेशा याद किए जाते हैं। उन्होंने संदीप चौरसिया के नेतृत्व में आजीविका मिशन के माध्यम से किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को जनपद सदस्य रामेश्वर (रम्मू) धानेश्वर, श्रमजीवी पत्रकार संघ तहसील अध्यक्ष विशाल महानंद, प्रमेंद्र श्यामकुवर, महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक दुबे मैडम, वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के तहसील अध्यक्ष राकेश मिश्रा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी ने कहा कि परसवाड़ा में जिस समर्पण और ईमानदारी से उन्होंने दायित्व निभाया, उसी तरह लालबर्रा में भी अपनी सेवाओं से नई पहचान बनाएंगे।

अपने संबोधन में संदीप चौरसिया ने कहा कि उन्होंने अपने सेवा काल का सबसे लंबा समय परसवाड़ा में बिताया और यहां सभी का भरपूर सहयोग एवं स्नेह मिला। इसी सहयोग के कारण वे अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सके। उन्होंने आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियों से मिशन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भविष्य में भी आवश्यकता पड़ने पर वे बेहिचक उनसे संपर्क कर सकती हैं।

विदाई समारोह के दौरान कई महिलाओं की आंखें नम हो गई। कार्यक्रम में मौजूद उनकी पत्नी श्रीमती रंजीता चौरसिया भी सभी का स्नेह और सम्मान देखकर भावुक हो गई तथा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, जनपद सदस्य रामेश्वर धानेश्वर, विशाल महानंद, राकेश मिश्रा, अशोक गोस्वामी, नरेंद्र शरणागत, प्रमेंद्र श्यामकुवर, अरुणा बरकड़े, आजीविका मिशन प्रभारी ब्लॉक प्रबंधक अक्ल सिंह कुलेश, योगेश मरकाम, संतोष सोनवाने, राकेश सोनी, श्रीमती कुंता चौधरी (सीएलएफ मैनेजर), इमरती पड़वारे, विमला उइके, संगम सीएलएफ बिरजुला टेकाम, उमंग सीएलएफ रमला सैय्याम, संगीता परिहार, चांदनी सीएलएफ सुनीता धुर्वे, कुंती काबरे, दामिनी सीएलएफ मधु गौतम, सरिता कटरे, रजनी सीएलएफ सहित आजीविका मिशन से जुड़ी बड़ी संख्या में महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बारिश में निखर उठी बालाघाट की वादियाँ, हरियाली और घुमावदार सड़कें बना रहीं पर्यटकों को आकर्षण का केंद्र..

अमन राउत, जगप्रेरणा रजेगांव।

मानसून की पहली जोरदार बारिश के साथ ही मध्यप्रदेश का बालाघाट जिला एक बार फिर अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के कारण सुर्खियों में है। घने जंगलों से घिरी पहाड़ियाँ, बादलों की धुंध में लिपटी वादियाँ,

बारिश से धुली घुमावदार सड़कें और दूर-दूर तक फैली हरियाली ऐसा मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रही हैं, जिसे देखने वाला हर व्यक्ति प्रकृति की इस अनुपम छटा में खो जाता है। इन दिनों बालाघाट का हर रास्ता, हर मोड़ और हर पहाड़ी प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं दिखाई दे रही है।

बारिश शुरू होते ही जिले के जंगलों और पहाड़ियों ने मानो नई जिंदगी पा ली हो। सूखे पेड़-पौधे फिर से हरे-भरे हो गए हैं, घाटियों में बादलों का डेरा लगा हुआ है और ठंडी हवाओं के साथ गिरती बारिश की फुहारें पूरे वातावरण को बेहद सुकूनभरा बना रही हैं। घुमावदार सड़कों से गुजरते समय ऐसा एहसास होता है जैसे वाहन बादलों के बीच से होकर निकल रहे हों। हर कुछ दूरी पर बदलते प्राकृतिक दृश्य पर्यटकों को रुकने और इन खूबसूरत पलों को अपने कैमरे में कैद करने के लिए मजबूर कर देते हैं।

इन दिनों जिले के प्राकृतिक पर्यटन मार्गों पर सुबह से शाम तक पर्यटकों की अच्छी-खासी आवाजाही देखी जा रही है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के जिलों और अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक बालाघाट की प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेने पहुँच रहे हैं। परिवार, मित्र और युवा बारिश की फुहारों के बीच वादियों का आनंद लेते हुए यादगार तस्वीरें और वीडियो बना रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

बालाघाट की पहचान केवल अपने समृद्ध जंगलों, वन्यजीवों और खनिज संपदा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मानसून के मौसम में यहाँ की प्राकृतिक छटा इसे मध्यप्रदेश के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में शामिल कर देती है। पहाड़ियों पर छाई धुंध, जंगलों से आती ठंडी हवाएँ, बारिश से चमकती सड़कें और चारों ओर फैली हरियाली मन को ऐसी शांति देती है, जिसकी तलाश लोग शहरों की भागदौड़ से दूर आकर करते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ यह मौसम फोटोग्राफी और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी किसी उत्सव से कम नहीं है। हर मोड़ पर दिखाई देने वाले मनोहारी दृश्य कैमरे में कैद होने के साथ-साथ लोगों की यादों में भी हमेशा के लिए बस जाते हैं। यही कारण है कि बारिश के मौसम में बालाघाट की खूबसूरती देखने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ का रुख करते हैं।

यदि आप भी इस मानसून प्रकृति के बीच कुछ सुकूनभरे पल बिताना चाहते हैं, बादलों से घिरी वादियों का आनंद लेना चाहते हैं और हरियाली की असली खूबसूरती को करीब से महसूस करना चाहते हैं, तो बालाघाट आपका दिल से स्वागत करने के लिए तैयार है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और बारिश का सुहाना मौसम आपको ऐसा अनुभव देगा, जिसे आप जीवनभर याद रखेंगे। आइए... इस मानसून बालाघाट आइए।

प्रकृति की गोद में बसे इस खूबसूरत जिले की हरियाली, धुंध से ढकी वादियाँ, घने जंगल, घुमावदार सड़कें और बारिश की मनमोहक फुहारें आपका इंतजार कर रही हैं। एक बार बालाघाट आइए, यकीन मानिए यहाँ की खूबसूरती आपके दिल और यादों में हमेशा के लिए बस जाएगी।

बालाघाट में रैप कम्पोजिट एमएसएमई वर्कशॉप एवं कैम्प का प्रथम दिवस सम्पन्न

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की विश्व बैंक समर्थित ऋरूक्क योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय ऋरूक्क कम्पोजिट रूस्रूश्च वर्कशॉप एवं कैम्प का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का आयोजन मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम **(MPLUN),**

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा संबंधित संस्थाओं के सहयोग से होटल मल्लिकार्जुन इंटरनेशनल में किया गया। इसका उद्देश्य जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों एवं इच्छुक उद्यमियों को शासकीय योजनाओं, गुणवत्ता सुधार, वित्तीय सहायता, डिजिटल बाजार और व्यवसाय विस्तार के अवसरों से जोडऩा है। कार्यक्रम में चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अभय सेठिया, लघु उद्योग के संरक्षक शैलेश वैद्य, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों के विकास, आधुनिक तकनीक के उपयोग, उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने, डिजिटल बाजार से जुडऩे तथा शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित करने पर जोर दिया। श्रीमती प्रीति मर्सकोले ने विभाग द्वारा उपलब्ध सहायता, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन की जानकारी देते हुए उद्यमियों से योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को ऋरूक्क एवं रूस्श्च स्क्कढ्ढष्टश्च योजना, ंश्वष्ठ प्रमाणन, बौद्धिक संपदा अधिकार (ढ्ढक्कक्र), भौगोलिक संकेतक (त्रढ्ढ), वित्तीय जागरूकता, उद्यम पंजीकरण, श्वस्त्र, ऋश्वष्टक्क, ञ्जश्वरू एवं ह्लह्रष्ट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दीं ंश्वष्ठ प्रमाणन के माध्यम से उत्पादों की गुणवत्ता सुधार, लागत में कमी और नए बाजारों तक पहुंच के लाभ बताए गए, जबकि ढ्ढक्कक्र विशेषज्ञों ने पेटेंट, ट्रेडमार्क एवं कॉपीराइट संरक्षण पर मार्गदर्शन दिया। ऋरूक्क टीम ने योजना के उद्देश्यों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा की। कार्यशाला के दूसरे दिन मध्यप्रदेश रूस्रूश्च विकास नीति-2025, स्टार्टअप नीति-2025, भूमि आवंटन नियम, ऑनलाइन विवाद समाधान, संसाधन दक्ष उत्पादन तथा डिजिटल कॉमर्स से जुड़े विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

|| श्री जीणमाता की जय ||
|| जय गुलाब बाबा नमः ||
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है ।
Hero
BAJAJ
HONDA
TVS
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

ढोल-ताशों की गूंज के बीच नव प्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ भव्य स्वागत..

शिवनी के जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न..

जगप्रेरणा आमगांव।

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय, शिवनी (तहसील आमगांव) में मंगलवार को प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय की पहली घंटी बजते ही नवप्रवेशी

विद्यार्थियों का ढोल-ताशों की गूंज, पुष्पवर्षा और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया तथा बच्चों के चेहरों पर नई उम्मीदों और खुशियों की झलक दिखाई दी।

प्रवेशोत्सव के अवसर पर विद्यालय को रंग-बिरंगे गुब्बारों, आकर्षक सजावट, रंगोली, स्वागत द्वार और प्रेरणादायी संदेशों से सजाया गया था। पहली बार विद्यालय पहुंचे नन्हे विद्यार्थियों को पुष्पहार पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। शिक्षकों ने बच्चों का स्नेहपूर्वक स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय के वातावरण से परिचित कराया, जिससे उनके मन में विद्यालय के प्रति अपनापन और उत्साह का भाव विकसित हो सके।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए प्रेरक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय का आकर्षक वातावरण देखकर अभिभावकों ने भी विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही रखी जा सकती है। इसलिए प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें और शिक्षा के प्रति जागरूक रहें।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्या छबुताई उके, केंद्र प्रमुख सुनील हरिणखेड़े, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष योगराज तावड़े, सरपंच संतोष सतीशहारे, प्रधानाध्यापक अनिल अंबुले, शिक्षक शालिक यटरे, कृष्णकुमार देशमुख, अनिता मानकर,सुरेश मुधोलकर, रेखाताई बंसोड, संदीप उके, दुर्गाताई रहांगडाले, चंद्रकला हत्तीमारे, कविता पागोटे सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और संस्कारों के साथ शिक्षा ग्रहण कर अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी गईं। विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित यह प्रवेशोत्सव बच्चों के लिए यादगार बन गया और नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत उत्साह, उमंग और नई प्रेरणा के साथ हुई।

विचारपुर पाठ्शाला में हर्षोल्लास के साथ द्वितीय प्रवेशोत्सव संपन्न..

'शिक्षा ही समाज व राष्ट्र निर्माण का साधन-गीताताई लिल्हारे'

जगप्रेरणा सालेकसा।

जिला परिषद हिंदी वरिष्ठ प्राथमिक शाला, विचारपुर केंद्र-दरेकसा, पंचायत समिति-सालेकसा, जिला-गोंदिया में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतू द्वितीय प्रवेशोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि जिला परिषद सदस्य गीताताई लिल्हारे थीं। अध्यक्षता शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश लिल्हारे ने की। इस अवसर पर शाला व्यवस्थापन समिति के सदस्य, पालकगण, मुख्याध्यापक, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभात फेरी एवं महापुरुषों की प्रतिमा पूजन से किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मान्यवरों के करकमलों से औक्षण कर पुष्प एवं शुभकामनाओं के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं शालेय गणवेश का वितरण किया गया। प्रमुख अतिथि गीताताई लिल्हारे जी ने कहा कि 'शिक्षा ही वह सबसे शक्तिशाली साधन है, जिसके माध्यम से समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य निर्मित होता है।' कार्यक्रम के अध्यक्ष ओमप्रकाश लिल्हारे ने विद्यार्थियों से नियमित विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान भोजन कराया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मच्छिंद्र भिसे ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुख्याध्यापक, समस्त शिक्षकवृंद, शाला व्यवस्थापन समिति एवं पालकों ने संयुक्त रूप से सहयोग प्रदान किया। विद्यालय परिसर में उत्साह, आनंद और स्वागत का वातावरण देखने को मिला।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

बिना वजह बीच मे बोलकर शराबी ने की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के दवनीवाडा पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है । प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29/ 6/ 2026 के शाम 7 बजे के दरम्यान फर्यादी रविन्द्र राधेशाम उके उम्र 35 वर्ष निवासी हाबुटोला अपने गाव के चौक मे जियालाल को पुराने दिये पैसे मांग रहे थे। वहा आरोपी ने शराब के नशे मे आकर कहा किस बात के पैसे मांग रहा है। बोलकर गालीगलोच की फर्यादी ने कहा मेरे पैसे है मै बात कर रहा हु, तो आरोपी ने लकडी से फर्यादी को मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे दवनीवाडा मे अपराध क्रमांक 347/2026 धारा 118,1,352, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सफौ सचिन टेंभुर्णीकर 317 पोस्टे दवनीवाडा कर रहे है।

तंटामुक्ति मिटिंग मे आरोपियो ने दी जान से मारने की धमकी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत जान से मारने की धमकी और आर्थिक नुकसान का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 30/6/2026 के 9 बजे के दरम्यान महिला फर्यादी उम्र 50 वर्ष निवासी लोधीटोला ने अपने घर से लगी हुई जमीन के विषय मे तंटामुक्ती की मिटिंग बुलाई बात चित चालु थी वहा आरोपियो ने आकर झगडा कर गालीगलौच की फर्यादी की बेटी बिचबचाव करने आयी तो उसे भी जान से मारने की धमकी दी और बाडी को ट्रेक्टर से तोड़कर 10 हजार का नुकसान करने से दिये शिकायत पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 350/2026 धारा 296,189,2,190,191,2,351,3,324,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाच पोहवा सव्वालाखे 1512 पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

अचानक तबीयत खराब हुवे अज्ञात की उपचार के दौरान मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29/ 6/ 2026 के शाम 4 बजे के दरम्यान अज्ञात व्यक्ती उम्र अंदाजन 55 वर्ष की तबीयत खराब हुई उसे उपचार के लिये केटीएस अस्पताल मे भर्ती कराया गया जहा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। डाक्टर के लिखीत मेमो पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अकस्मात मौत क्रमांक 34/2025 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा भांडारकर 1775 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

अचानक तबीयत खराब हुवे युवक की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 30/ 6/ 2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान नेहरू चौक गोंदिया मे दुर्गेश मुरलीधर उदापुरे उम्र अंदाजन 30 वर्ष को चक्कर आया और निचे गिरा उसे अस्पताल ले गये जहा डाक्टर ने जॉच कर मृत घोषीत करने से फर्यादी देवेन्द्र मुन्नालाल यादव के बयान पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अकस्मात मौत क्रमांक 35/2025 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाँच पोहवा बोरकर 1379 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

आमगांव पुलिस स्टेशन के नये पुलिस निरक्षक निलकंठ कुकडे ने संभाला कार्यभार

जिले के 17 पुलिस अधिकारी को मिली नई जिम्मेदारी..

जगप्रेरणा आमगांव।

गोंदिया जिले के पुलिस अधीक्षक ने जिले के 17 पुलिस अधिकारी का तबादला देकर नई जिम्मेदारी सौंपी है जिसके तहत आमगांव के पुलिस निरक्षक तिरुपती राणे का तबादला रामनगर पुलिस स्टेशन गोंदिया हुआ है

उनके तबादले के चलते रिक्त हुई जगह पर नियंत्रण कक्ष गोंदिया के रुप कार्यरत निलकंठ कुकडे को आमगांव पुलिस निरक्षक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है उन्होंने आमगांव पुलिस निरक्षक के रुप में अपना कामकाज संभाला है।

गोंदिया जिले मे पोनि रवी नागोसे पुलिस अधीक्षक कार्यालय वाचक को पुलिस स्टेशन सालेकसा, पोनि रेवचंद सिगनजोडे को पुलिस स्टेशन गोंदिया ग्रामीण से स्थानीय गुन्हे शाखा की जिम्मेदारी सौंपी गई पुलिस निरक्षक प्रविण बोरकुटे रामनगर पुलिस को पुलिस स्टेशन गोंदिया शहर की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है पोनि वैभव पवार पुलिस स्टेशन रावणवाडी को पुलिस स्टेशन गोंदिया ग्रामीण की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पोनि तिरुपति राणे पुलिस स्टेशन आमगांव को पुलिस स्टेशन रामनगर की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है पोनि रामदास शेवते नियंत्रण कक्ष को पुलिस स्टेशन रावणवाडी, पोनि वैशाली ढाले दवनीवाडा को पुलिस स्टेशन गोरेगांव पोनि गणेश वनारे पुलिस स्टेशन डुग्गीपार पोलिस स्टेशन देवरी, कमलेश सोनटक्के पुलिस स्टेशन अर्जुनी/मोर को पुलिस स्टेशन डुग्गीपार, मंगेश काळे पोलिस स्टेशन केशोरी को अर्जुनी/ मोर सपोनि प्रशांत भुते पोलिस स्टेशन गोरेगांव पोलिस स्टेशन दवनीवाडा, चेतन ढेकने बेस कॅम्प मुरुकडोह को पुलिस स्टेशन केशोरी, सपोनि धिरज राजुरकर स्थानिक गुन्हे शाखा को पोलिस स्टेशन गंगाझरी, सपोनि सुधीर वर्मा को प्रभारी पुलिस अधिकारी बि. डी. डी. एस. पथक गोंदिया सपोनि प्रनिल पाटील नियंत्रण कक्ष गोंदिया को पुलिस अधीक्षक कार्यालय वाचक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

निलकमल लिल्हारे नियंत्रण कक्ष गोंदिया को पुलिस स्टेशन दवनीवाडा की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिले के पुलिस विभाग को मजबुत एवं लोकभिमुख करने के हेतु से पोलिस निरक्षक सहाय्यक पुलिस निरक्षक पुलिस उपनिरीक्षक के तबादले किये गये है।

थानेदार साहब आपके कार्य को नही भुल सकेगा सालेकसा..

सालेकसा पुलिस निरक्षक भुषण बुराडे के नागरी सत्कार मे विभिन्न स्तरों के वक्तावो ने व्यक्त की भावनाये..

प्रा राकेश रोकडे जगप्रेरणा सालेकसा।

सालेकसा पुलिस निरक्षक भुषण बुराडे ने सालेकसा पुलिस स्टेशन के पुलिस निरक्षक के रुप में करीब तीन सालों तक जिम्मेदारी संभाली इस समुचे कार्यकाल में

कानुन एवं सुव्यवस्था को अबाधित रखते हुये सभी वर्गो के लिए उनके कार्य अत्यंत उत्कृष्ट रहे विशेष रुप से युवाओं शिक्षा रोजगार हेतु पुलिस निरक्षक भुषण बुराडे ने विशेष कार्य किया. सालेकसा पुलिस स्टेशन के तहत पुलिस स्टेशन सालेकसा , सशस्त्र दूर क्षेत्र बिजेपार, दुर क्षेत्र पिपरीया मे पुलिस भरती पुर्व प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रेरित करते रहे. उनके कार्यकाल में सालेकसा पुलिस स्टेशन के तहत चल रहे पुलिस भरती प्रशिक्षण शिविर में से करीब 100 के आसपास युवा अर्धसैनिक बल,पुलिस दल में भरती हुये है. समाज के हर घटको को पुलिस निरक्षक के रुप में सकारात्मक कार्य से लाभ पोहचाने का काम किया।

कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के प्रति समाज के हर वर्ग की सकारात्मक भावना निर्माण किये उनके द्वारा किए गए कार्य सालेकसा हमेशा याद रखेगा एवं एक बडा अधिकारी समाज मे कितने बदलाव ला सकते हैं इसका उत्तम उदाहरण बनकर उभरे। इस आशय की भावना सालेकसा पुलिस स्टेशन के सभागृह में पुलिस पाटील संघटना सालेकसा, महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ सालेकसा, मोक्षधाम सेवा समिति सालेकसा शांताता समिति सालेकसा, कुनबी समाज सेवा समिति सालेकसा, कमला बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था सालेकसा द्वारा आयोजित पुलिस निरक्षक भुषण बुराडे का तबादला सालेकसा पुलिस स्टेशन से नागपुर ग्रामीण मे होने के अवसर पर आयोजित नागरी सत्कार समारोह में विभिन्न स्तरों के वक्तो ने व्यक्त किय।

इस अवसर पर मंच पर सत्कारमुर्ती पुलिस निरक्षक भुषण बुराडे, उपनिरीक्षक सत्कारमुर्ती मयुरी नागदेवे, पुलिस संघटना के अध्यक्ष लालचंद मच्छीये, नगराध्यक्ष विजय फुंडे, उपाध्यक्ष कुंदन बहेकार, महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ अध्यक्ष विजय मानकर, मोक्षधाम सेवा समिति के सुनील असाटी,कुनबी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष सुभाष हेमने, सामाजिक कार्यकर्ता गुणवंत बिसेन, गौरीशंकर भाडांरकर उपस्थित थे. कार्यक्रम की सुरुवात माता सावित्रीबाई फुले के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर की गई।

इस अवसर पर पुलिस पाटील संघटना सालेकसा, महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ सालेकसा, मोक्षधाम सेवा समिति सालेकसा, कुनबी समाज सेवा समिति सालेकसा, कमला बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था सालेकसा की ओर से सम्मानपत्र, शाल, श्रीफल, भेंट वस्तु देकर पुलिस निरक्षक भुषण बुराडे, उपनिरीक्षक निरक्षक मयुरी नागदेवे को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रस्ताविक प्रा.गणेश भदाडे संचालन पुलिस पाटील विलास साखरे एवं आभार प्रदर्शन पवन पाथोडे ने किया.कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु पुलिस पाटील संघटना के सभी,महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ सालेकसा, मोक्षधाम सेवा समिति सालेकसा, कुनबी समाज सेवा समिति सालेकसा, शांताता समिति पुलिस स्टेशन सालेकसा के सभी सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में पुलिस पाटील महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ मोक्षधाम सेवा समिति सालेकसा कुनबी समाज सेवा समिति सालेकसा शांताता समिति सालेकसा के सदस्य उपस्थित थे।

एड. दुष्यंत किरसान की बीएलए पद पर नियुक्ति 3 जुलाई को शुभमंगल ऑफिस में सभा..

जगप्रेरणा आमगांव।

66 आमगांव विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलए-2, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी

के निर्देशानुसार सरकार द्वारा एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया लागू की जाएगी। तदनुसार, पूरे आमगांव विधानसभा क्षेत्र में बीएलए-2 का चयन किया गया है। साथ ही, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एडवोकेट दुष्यंत नामदेव किरसान को आमगांव विधानसभा क्षेत्र के लिए बीएलए-1 नियुक्त किया है। तदनुसार, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 66 आमगांव विधानसभा क्षेत्र के बीएलए-2 के लिए 03 जुलाई, 2026 को ट्रेनिंग आयोजित की है। हालांकि, सभी बीएलए-2 से अनुरोध है कि वे समय पर उपस्थित हों और ट्रेनिंग का लाभ उठाएं।

शुभ मंगलम लॉन, सालेकसा रोड, आमगांव, जिलागोंदिया समय सुबह 10.30 बजे, ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स सभी बीएलए-2को ये डॉक्यूमेंट्स साथ लाने होंगे - 1. दो पासपोर्ट साइज़ फोटो 2. आधार कार्ड की ज़ेरॉक्स कॉपी 3. इलेक्शन कार्ड की ज़ेरॉक्स कॉपी 4. आपके पोलिंग स्टेशन का नाम और वार्ड की जानकारी 5. सभी बीएलए-2 के लिए सरकार द्वारा दिया गया बीएलए-2 फ़ॉर्म ज़रूर भरना ज़रूरी है। इसलिए, सभी संबंधित लोग समय पर मौजूद रहें। ऐसा आव्हान तालुका कांग्रेस कमेटी, आमगांव, तालुका कांग्रेस कमेटी, सालेकसा, तालुका कांग्रेस कमेटी, देवरी ने किया है।

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

पौधारोपण कर पदवीधर शिक्षक राजकुमार बसोने ने मनाया अपना जन्मदिन
छाया- प्रा. गणेश भदाडे आमगांव।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
■ (IUI) आय.यू.आय.
■ अधिक उम्र में मातृत्व
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ सोनोग्राफी
■ हार्मोस की जांच
■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 गुरुवार 02 जुलाई 2026
जग प्रेरणा
live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● तुमसर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गोंदिया की सुख, समृद्धि और विकास की प्रार्थना एवं प्रदेश को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने

भरी बरसात में भीगते हुए पंढरपुर पूर्व सैनिक संहित 3 साथियों के साथ साईकिल यात्रा पर निकले सचिन शेंडे..

सुबह सुबह बड़ो और देवी देवताओं का आशीर्वाद लेकर गोंदिया से हुए रवाना..

देर शाम नागपुर पहुंचकर मंदिर में किया रात्रि विश्राम..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया नगर परिषद के अध्यक्ष सचिन शेंडे एक युवा और ऊर्जावान नगर अध्यक्ष हैं, तथा अपनी युवावस्था के अनुरुप जहां नगर की जनता की समस्याओं को सुलझाने के लिये रात और दिन परिश्रम करते नजर आ रहे हैं, वहीं नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे ने संपूर्ण प्रदेश को पर्यावरण संरक्षण का

संदेश देने का संकल्प लेकर तथा गोंदिया की सुख समृद्धि तथा विकास की प्रार्थना करने साईकिल से पंढरपुर विट्ठल देव के दर्शन करने का संकल्प लिया, तथा इसी के तहत आज 01 जुलाई को भारी बारिश के बावजूद पानी में भीगते हुए बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए अपने साथियों पूर्व सैनिक उदयभान निर्माण जी, घनश्याम उईके और मनोज बिसेन के साथ साईकिल से पंढरपुर के लिये रवाना हो गए। प्रथम दिवस सचिन शेंडे एवं सभी साईकिल वीरों ने नागपुर के एक मंदिर में रात्रि विश्राम किया, और आज सुबह नागपुर से आगे के लिये रवाना होंगे।

गजब का हौसला सचिन शेंडे और सभी साथियों का..

गौरतलब है कि आज के दौर में जहां कुछ दूर भी साईकिल चलाने से लोग कतराते हैं, तथा दिन प्रतिदिन साईकिलों की संख्या कम और मोटर साईकिलों की संख्या बढ़ रही है, उस दौर में नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, उनके साथ कारगिल युद्ध में अपना एक पैर गंवाने वाले पूर्व सैनिक उदयभान निर्माणजी, यूवा दोसत घनश्याम उइके और मनोज बिसेन भी साईकिल से पंढरपुर विट्ठल रुक्मणी के दर्शना के लिये रवाना हुए, जिस पर संपूर्ण नगर वासी उनके गजब के हौसले पर उत्साहवर्धन करते हुए बड़ी संख्या में विदाई देने के लिये पहुंचे।

महापुरुषों को नमन कर शुरुआत

सुबह से ही लगातार बारिश होने के बावजूद इन साइकिल सवारों के हौसले डगमगाए नहीं। यात्रा शुरू करने से पहले उन्होंने गोंदिया शहर में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। छत्रपती शिवाजी महाराज और महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के सामने शीश नवाकर उन्होंने इस यात्रा का शुभारंभ किया।

'जय विठोबा' के नारों से गूंजा परिसर

प्रस्थान के समय जयस्तंभ चौक और शहर के मुख्य मार्गों पर गोंदिया के नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। फूलों की वर्षा और 'जय विठोबा', 'ज्ञानबा तुकाराम' के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। खुद बारिश में भीगते हुए भी लोगों ने इन साइकिल वीरों को बड़े उत्साह के साथ विदा किया।

कारगिल योद्धा की जिद ने किया भावुक

इस यात्रा का सबसे प्रेरणादायी पहलू कारगिल योद्धा उदयभान निर्माणजी की भागीदारी है। 1999 के कारगिल युद्ध में अपना एक पैर गंवाने के बाद भी, वे देशप्रेम और दृढ़ संकल्प के साथ पंढरपुर की राह पर निकल पड़े हैं। उनकी इस जिद और हौसले को देखकर वहां मौजूद नागरिकों की आंखें नम हो गईं। आधी रात से हो रही मूसलाधार बारिश की परवाह न करते हुए, गोंदिया शहर के 'संडे साइकिलिंग ग्रुप' के साइकिल वीरों ने आज सुबह पंढरपुर वारी (यात्रा) के लिए प्रस्थान किया। गीली सड़कों पर, पानी की बौछारें झेलते हुए ये चार वीर गोंदिया से विठ्ठल भगवान के दर्शन और जिले की भलाई के लिए निकले हैं। इस साइकिल यात्रा में शामिल वीरों के नाम नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, कारगिल युद्ध में अपना एक पैर गंवाने वाले पूर्व सैनिक उदयभान निर्माणजी, घनश्याम उइके और मनोज बिसेन हैं। गोंदिया और भंडारा जिले के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ किसानों के खेतों में धान की भरपूर फसल हो, इसके लिए विठ्ठल भगवान के चरणों में प्रार्थना करना इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

बोले सचिन शेंडे..

सचिन शेंडे ने पंढरपुर रवाना होते हुए कहा कि गोंदिया-भंडारा को धान के जिले के रूप में जाना जाता है। यहां का किसान सुखी हो, फसलों को सही दाम मिले और जिले का सर्वांगीण विकास हो, यही हमारी विठ्ठल भगवान से प्रार्थना होगी। इसके साथ ही हम रास्ते में हर गांव में 'साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ, ईंधन बचाओ, देश बचाओ' का पर्यावरण-अनुकूल संदेश भी देंगे। गोंदिया से पंढरपुर का लगभग 800 किलोमीटर का यह कठिन सफर ये साइकिल सवार अगले 4 से 5 दिनों में पूरा करेंगे। बारिश, धूप और हवा की परवाह किए बिना दिन-रात सफर करते हुए वे महाराष्ट्र की पारंपरिक 'वारी' (यात्रा) की संस्कृति को संजोएंगे।

सचिन शेंडे ने आगे यह भी कहा कि यह यात्रा स्वास्थ्य, पर्यावरण और श्रद्धा का एक अनूठा संगम है। जब एक जन-प्रतिनिधि और एक कारगिल योद्धा समाज और जिले की भलाई के लिए एक साथ पंढरपुर की राह पर निकलते हैं, तो वह यात्रा केवल धार्मिक न रहकर पूरे महाराष्ट्र को एक संदेश देने का काम करेगीं पंढरपुर पहुंचने के बाद विठ्ठल-रुक्मिणी के दर्शन कर हम सभी गोंदिया-भंडारा जिले की समृद्धि के लिए प्रार्थना करेंगे। नागरिकों की ओर से मिले उत्साहवर्धन के लिये हम सभी के आभारी हैं।

नवागत जिलाधिकारी मंदार पत्की ने सबसे पहले बैठक लेकर की जिला वार्षिक योजना की समीक्षा..

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्ताव तकनीकी स्वीकृति के साथ शीघ्र प्रस्तुत करने दिये निर्देश..

जगप्रेरणा गोंदिया।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की जिला वार्षिक योजना के अंतर्गत सामान्य जिला वार्षिक योजना, अनुसूचित जाति उपयोजना, जनजातीय उपयोजना तथा जनजातीय उपयोजना क्षेत्र के बाहर की योजनाओं से संबंधित सभी प्रस्ताव विभागीय तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर जल्द से जल्द प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रस्तुत

किए जाएं। यह निर्देश जिलाधिकारी मंदार पत्की ने जिला वार्षिक योजना की समीक्षा बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सामान्य योजना, अनुसूचित जाति उपयोजना, जनजातीय उपयोजना तथा जनजातीय उपयोजना क्षेत्रबाह्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी झेनिथचंद्र दोंतुला, भारतीय वन सेवा के अधिकारी प्रीतमसिंह कोडापे, प्रभारी जिला नियोजन अधिकारी रुपेशकुमार राऊत सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी मंदार पत्की ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए जिला वार्षिक योजना के अंतर्गत 324 करोड़ रुपये की वित्तीय व्यवस्था की गई है। इस राशि से जिले के नागरिकों के लिए विभिन्न जनहित एवं विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर प्रशासनिक स्वीकृति हेतु प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करें ताकि विकास कार्यों को समय पर शुरू किया जा सके। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि स्वीकृत कार्यों से संबंधित लंबित दायित्व निधि की मांग पूर्ण प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत करें तथा सभी अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कर उसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को सौंपें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस वर्ष से जिला परिषद एवं राज्य शासन की किसी भी योजना के कार्यों को समय-सीमा बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा में ही पूर्ण किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि महा स्ट्राइड के अंतर्गत वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना में केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का समावेश कर गोंदिया जिले के समग्र विकास के लिए विभागों से नवाचार आधारित सुझाव अपेक्षित हैं। यदि विभाग समय रहते अपने प्रस्ताव एवं नवीन अवधारणाएं प्रस्तुत करेंगे, तो उन्हें वार्षिक कार्ययोजना में शामिल किया जा सकेगा। बैठक का संचालन प्रभारी जिला नियोजन अधिकारी रुपेशकुमार राऊत ने किया।

- सूचना -

यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नही मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 9860558902 पर संपर्क करें।

सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, गोंदिया

नविन प्रशासकीय ईमारत, 3 रा माळा, रूम नं.-33, जयस्तंभ चौक, गोंदिया

(नमुना क. 2) 1.55./1/442/26
दिनांक 8/6/2026

चौकशीची नोटीस

(महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था अधिनियम, सन 1950 यांचे कलम - 22 सन 2024 चा चौ. क. 285/2024 सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था श्री हनुमान मंदिर सेवा समिती ता. जि. गोंदिया गोंदिया न्यास नोंदणी क. एफ-13241 (गोंदिया)................यांस

सुधीर रामअवतार बजाज यांनी कलम 22 अन्वये केलेला अर्जा संबंधात श्री हनुमान मंदिर सेवा समिती ता. जि. गोंदिया गोंदिया न्यास नोंदणी क. एफ -13241 (गोंदिया) चे बाबत महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम 1950 चे कलम 22 नुसारचा अर्ज या जाहीर नोटीसी द्वारे सर्व जनतेला सुचित करण्यात येते की, श्री हनुमान मंदिर सेवा समिती ता. जि. गोंदिया गोंदिया न्यास नोंदणी क. एफ-13241 (गोंदिया) या न्यासासाठी महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम 1950 चे कलम 22 अन्वये स्थावर मिळकत रेकॉर्डवर घेणेबाबत बदल अर्ज, विश्वस्त श्री सुधीर रामअवतार बजाज गौरीनगर साकेत पब्लीक स्कुल के पीछे गोंदिया यांनी दाखल केला आहे. त्यातील नमूद स्थावर मिळकतीचे वर्णन खालीलप्रमाणे आहेत. स्थावर व जंगम मिळकत :- (वर्णन) निशाणी क्र. 1मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे। 1) मौजा- गोंदिया मालमत्ता कमांक 378, सरहद्य सिव्हील लाईन गोंदिया ता. जि. गोंदिया आराजी 4296.68 स्के. फुट रेकार्ड प्रमाणे आहे. मालमत्तेची चतुर्सिमा खालीलप्रमाणे आहे. :- पुर्वेस - रोड पश्चिमेस - रोड उत्तरेस - सरकारी क्वार्टर दक्षिणेस - रोड 2) इमारत बांधकाम क्रमांक 01 - मौजा मौजा गोंदिया मालमत्ता कमांक 378 सरहद्य सिव्हील लाईल गोंदिया ता जि. गोंदिया आराजी 4296.68 स्के फुट रेकॉर्ड प्रमाणे आहे. यावर श्री हनुमान मंदिर ची इमारत बांधलेली आहे. एकुण जागा आराजी 4296.68 स्के फुट रेकार्ड प्रमाणे आहे. 1. मंदिर बांधकाम 1 श्री हनुमान मंदिर 399.32 स्के मिटर मध्ये आहे. 2. खुली जागा 1037.50 स्के मिटर मध्ये आहे. 3. स्टोर रूम 34.90 स्के मिटर मध्ये आहे. सदर मंदिर इमारतीचे निर्धारित मुल्यांकन रिपार्टनुसार 8,49,161.00 (आठ लक्ष एकोणपन्नास हजार एकशे एकसष्ठ) रूपये आहे. सदरच्या चौकशी प्रकरणामध्ये कोणास काही हरकत घ्यावयाची असेल अगर पुरावा दयावयाचा असेल त्यांनी त्यांची लेखी कैफीयत ही नोटीस प्रसिध्द झाल्याचे तारखेपासून 30 दिवसाचे आत या कार्यालयाचे वरील पत्यावर सादर करणे. नंतर आलेल्या कैफीयतीचा विचार केला जाणार नाही. तसेच वरील मुदतीत कैफीयत न आल्यास कोणास काही सांगावयाचे नाही असे समजून चौकशी पुरी केली जाईल व अर्जाचे निकालाबाबत योग्य ते आदेश दिले जातील. हि नोटीस माझे सहीनिशी व मा. सहायक धर्मादाय आयुक्त गोंदिया यांचे शिक्यानिशी आज दिनांक 08/06/2026 रोजी दिली.

अधीक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, गोंदिया

नीट पेपर लीक मामला: गोंदिया जिला कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में की केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग..

जगप्रेरणा गोंदिया।

नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर देश भर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में आज, 1 जुलाई को दोपहर 1:00 बजे गोंदिया के शासकीय विश्राम गृह में गोंदिया जिला

कांग्रेस कमेटी द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत आयोजित इस पत्रकार परिषद में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर तीखे हमले किए। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि देश के लाखों छात्र डॉक्टर बनने का सपना लेकर 2 साल तक कड़ी मेहनत और तैयारी करते हैं, लेकिन परीक्षा से ठीक पहले पेपर लीक हो जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस भ्रष्टाचार ने न सिर्फ होनहार बच्चों की मेहनत पर पानी फेर दिया है, बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली और परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और कड़ी सजा की मांग..

गोंदिया जिला कांग्रेस ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस ने मांग की है कि शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें। पेपर लीक घोटाले में शामिल सभी आरोपियों, दलालों और इसके मास्टरमाइंड को तुरंत गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। कांग्रेस ने कहा कि छात्रों के भविष्य से किये गए खिलवाड़ के विरोध में वो आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक पीड़ित छात्रों को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका यह आंदोलन थमेगा नहीं।

SONOGRAPHY X-RAY CT SCAN
SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182 - 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T. SCAN

• दरियां • मेटिंग्स • कार्पेट्स • डोरमेट्स
• शॉल • ब्लैंकेट्स • स्कूल की भोजन पट्टियां
• ताड़पत्री • मच्छरदानी • ग्रीन नेट
• चादरें • बेड शीट्स
के थोक व चिल्लर विक्रेता..
रमन कुमार मेठी
हैंण्डलुम हाउस
दरियां मीटिंग्स कार्पेट्स डोरमेंट्स शॉल स्कूल की भोजन पट्टियां ताड़पत्री मच्छरदानी ग्रीन नेट चादरें/बेड शीट्स
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया मो. 9890696200

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com